सुविचार

समय सबसे मूल्यवान संपत्ति है। जो व्यक्ति समय का सम्मान करता है और उसका सही उपयोग करता है, वही जीवन में आगे बढ़ता है।

प्रथम न्यूज

PRATHAM NEWS

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in

email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News

@dainikprathamnews

15 साल के वैभव सूर्यवंशी को मिला टीम इंडिया में मौका...

» पृष्ठ 7 पर

जालंधर, वर्ष: 16 अंक : 156 | दिनांक : रविवार, 07 जून 2026 | सम्पादक : विवेक धीर | सम्पर्क: | 97796-00900 | पन्ने- 8 | मूल्य: ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

संक्षिप्त न्यूज

एम डब्ल्यू बी देगा हिमाचल के पत्रकारों को दस-दस लाख रुपये की मुफ्त एक्सीडेंटल पॉलिसी का तोहफा

शिमला (एएम नाथ)– मीडिया वेलबीइंग एसोसिएशन उत्तर भारत की हिमाचल प्रदेश यूनिट द्वारा 9 जून को शिमला में पत्रकार कल्याण, सुरक्षा एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा।एम डब्ल्यू बी उत्तर भारत के अध्यक्ष चंद्र शेखर धरणी, महासचिव सुरेंद्र मेहता के अनुसार देवभूमि हिमाचल प्रदेश के पत्रकारों को दस-दस लाख रुपये की मुफ्त एक्सीडेंटल पॉलिसी लॉन्चिंग एवं वितरण समारोह 9 जून को होगा। इस समारोह में मुख्यातिथि शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर होंगे।कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री के प्रधान मीडिया एडवाइजर नरेश चौहान करेंगे। गेस्ट ऑफ ऑनर मेयर नगर निगम शिमला सुरेंद्र चौहान होंगे जबकि सम्माननीय अतिथि हरीश जनारथा शिमला शहरी विधायक होंगे।

चन्द्र शेखर धरणी ने बताया कि एम डब्ल्यू बी उत्तर भारत के वरिष्ठ उपाध्यक्ष व हिमाचल प्रदेश के प्रभारी संजय भूटानी की पहल पर हिमाचल प्रदेश के पत्रकारों की लिए एम डब्ल्यू बी दस दस लाख की मुफ्त एक्सीडेंटियल पॉलिसी की लांचिंग 9 करवाने जा रही है। हिमाचल प्रदेश के एम डब्ल्यू बी के अध्यक्ष विशाल सूद इस आयोजन के लिए संयोजक बनाए गए है। कार्यक्रम में एम डब्ल्यू बी उत्तर भारत के महासचिव सुरेन्द्र मेहता, कोषाध्यक्ष तरुण कपूर, उपाध्यक्ष पवन चोपड़ा व संगठन मंत्री मेवा सिंह राणा प्रतिनिधित्व करेंगे।

हरियाणा में हर घर सोलर की तैयारी, बिना लोन-गारंटी लगेगा 1 किलोवाट का सिस्टम

चंडीगढ़ (एएम नाथ)– हरियाणा सरकार राज्य के घरेलू उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा से जोड़ने के लिए एक नई योजना पर काम कर रही है। इस योजना के तहत 1 किलोवाट लोड वाले घरेलू उपभोक्ताओं को बिना बैंक लोन और गारंटी के सोलर सिस्टम उपलब्ध कराया जाएगा। सरकार का उद्देश्य बिजली उपभोक्ताओं का आर्थिक बोझ कम करना और उन्हें स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ना है।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने बताया कि राज्य में 1 किलोवाट तक के लोड वाले 7 लाख से अधिक घरेलू उपभोक्ता हैं, जिन्हें इस योजना का लाभ मिल सकता है। योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह होगी कि लाभार्थियों को बैंक या वित्तीय संस्थानों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। विभागीय कर्मचारी स्वयं घर-घर जाकर सर्वे करेंगे और पात्र उपभोक्ताओं की छतों पर सोलर सिस्टम स्थापित करवाने की प्रक्रिया पूरी करेंगे। सरकार का दावा है कि सोलर सिस्टम लगने के बाद उपभोक्ताओं के बिजली बिल में बड़ी कमी आएगी और कई मामलों में बिजली बिल लगभग शून्य तक हो सकता है। इससे न केवल लोगों को आर्थिक राहत मिलेगी बल्कि राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा को भी बढ़ावा मिलेगा।

इसके अलावा, 5 किलोवाट तक के लोड वाले उन घरेलू उपभोक्ताओं के लिए भी विशेष व्यवस्था प्रस्तावित की गई है, जो पिछले तीन वर्षों से नियमित रूप से बिजली बिल का भुगतान कर रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकार की सब्सिडी मिलने के बाद बची हुई राशि उपभोक्ताओं से आसान सरकारी किस्तों में वसूली जाएगी। इस प्रक्रिया में भी किसी बैंक लोन की आवश्यकता नहीं होगी।

फिरोजपुर में मौत बनकर दौड़ा ट्रक

9 की मौत, 15 घायल

- अस्थियां विसर्जित करने जा रहे परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़
- तेज रफ्तार ट्रक ने पिकअप को मारी टक्कर, कई घायलों की हालत गंभीर; जांच में जुटी पुलिस

» प्रथम न्यूज । फिरोजपुर

06 जून (ब्यूरो)

पंजाब के फिरोजपुर जिले में शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 15 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। फाजिल्का रोड पर जंगा वाला मोड़ के पास तेज रफ्तार ट्रक और महिंद्रा पिकअप वाहन की आमने-सामने की टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार और अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार, एक परिवार अपने दिवंगत परिजन की अस्थियां विसर्जित करने के लिए जलालाबाद से ब्यास जा रहा था। पिकअप वाहन में परिवार और रिश्तेदार सवार थे। इसी दौरान जंगा वाला मोड़ के निकट सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने कथित तौर पर नियंत्रण खो दिया और पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कई लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कुछ घायलों ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया।

हादसे के बाद आसपास के लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और पुलिस को सूचना दी। स्थानीय लोगों ने क्षतिग्रस्त वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकालने का प्रयास किया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गईं तथा घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर उपचार के लिए अन्य अस्पतालों में रेफर किया जा रहा है। घायलों में बच्चे भी शामिल बताए जा रहे हैं।

घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मृतकों के परिजनों में शोक की लहर है और अस्पतालों में भी परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल और अस्पताल का दौरा कर हालात का जायजा लिया। पुलिस का कहना है कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर ट्रक चालक की लापरवाही की बात सामने आ रही है, हालांकि जांच पूरी होने के बाद ही जिम्मेदारी तय की जाएगी। उल्लेखनीय है कि पंजाब में लगातार दूसरे दिन बड़ा सड़क हादसा सामने आया है, जिससे सड़क सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

फिरोजपुर-फाजिल्का रोड हादसे पर प्रधानमंत्री मोदी ने जताया शोक, मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये सहायता का ऐलान

नई दिल्ली (एएम नाथ)– पंजाब के फिरोजपुर-फाजिल्का रोड पर शनिवार को हुए भीषण सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। इस दर्दनाक दुर्घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोशल मीडिया के माध्यम से जारी संदेश में हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति शोक व्यक्त किया तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

पीएमओ द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (क्कह्लक्रस्न) से मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक मृतक के वारिसों को 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी। इसके अलावा गंभीर रूप से घायल हुए प्रत्येक व्यक्ति को 50,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस कठिन समय में केंद्र सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। हादसे के बाद स्थानीय प्रशासन और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंचे तथा घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। प्रधानमंत्री की ओर से घोषित सहायता से प्रभावित परिवारों को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है।

भारत को रूस का बड़ा रक्षा प्रस्ताव

पुतिन ने Su-57 के संयुक्त उत्पादन का दिया ऑफर

रोम (एजेंसी) - भारत को पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ लड़ाकू विमान Su-57 की पेशकश करते हुए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि रूस इस विमान के संयुक्त विकास और उत्पादन के लिए भारत के साथ काम करने को तैयार है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच मजबूत रणनीतिक साझेदारी के तहत Su-57 भारत-रूस का साझा उत्पाद बन सकता है और इस सहयोग पर किसी तरह की पाबंदी नहीं होगी।

पुतिन ने अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों के प्रमुखों के साथ बातचीत में कहा कि रूस पहले भी भारत को इस कार्यक्रम में शामिल होने का प्रस्ताव दे चुका है। हालांकि भारत ने उस समय इस पर आगे बढ़ने के बजाय इंतजार करने का फैसला किया था। उन्होंने दावा किया कि Su-57 अपनी श्रेणी के सर्वश्रेष्ठ विमानों में से एक है और रूस अब भी भारत के साथ इस परियोजना पर सहयोग का इच्छुक है।

भारत फिलहाल अपने स्वदेशी पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान कार्यक्रम AMCA पर काम कर रहा है, जिसके 2035 से पहले वायुसेना में शामिल होने की संभावना कम है। ऐसे में सरकार अंतरिम व्यवस्था के तौर पर लगभग 36 Su-57 विमानों की खरीद पर विचार कर सकती है, यदि वे भारतीय वायुसेना की तकनीकी आवश्यकताओं पर खरे उतरते हैं। बताया जा रहा है कि HAL और सुखोई के बीच संभावित सहयोग को लेकर बातचीत जारी है।

पुतिन ने वायु रक्षा क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाने की इच्छा जताई। उन्होंने कहा कि रूस भारत के साथ एकीकृत वायु रक्षा प्रणालियों और संबंधित तकनीकों के विकास में साझेदारी के लिए तैयार है।

भारत पहले ही रूस से S-400 मिसाइल प्रणाली खरीद चुका है और अतिरिक्त प्रणालियों की खरीद को भी मंजूरी दे चुका है। विदेश मंत्रालय ने पुतिन की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत-रूस रक्षा संबंध मजबूत हैं, जबकि Su-57 कार्यक्रम से जुड़ी विशिष्ट जानकारी रक्षा मंत्रालय ही दे सकेगा।

कॉकरोच डरते भी नहीं, कभी मरते भी नहीं...

दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी का विरोध प्रदर्शन तेज

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

06 जून (एएम नाथ)

इंटरनेट के ऑनलाइन ग्राउंड पर जन्मी कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) अब असल ग्राउंड पर दिख रही है। CJP ने शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर अपना पहला विरोध प्रदर्शन किया है। इस प्रदर्शन का नेतृत्व कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके कर रहे हैं। जो आज सुबह ही अमेरिका (USA) से दिल्ली पहुंचे। वह दिल्ली एयरपोर्ट से बाहर निकलने के दौरान हाथ में बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की पुस्तक दिखाते नजर आए।

वहीं इससे पहले अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया पर CJP समर्थकों से झुंड के साथ जंतर-मंतर पर इकट्ठा होने और अनुशासन बनाए रखने को कहा और यह सुनिश्चित करने की अपील की कि विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे और कोई अराजकता न फैले।

दिल्ली पुलिस ने कॉकरोच जनता पार्टी को सुबह दस बजे से लेकर शाम पांच बजे तक जंतर मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति दी है। मौके पर पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स का भारी हुजूम तैनात है ताकि किसी भी अप्रिय या अराजक स्थिति को संभाला जा सके।

कॉकरोच जनता पार्टी का विरोध सरकारी परीक्षाओं में हुई गड़बड़ी के खिलाफ

कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) का यह विरोध प्रदर्शन NEET-UG पेपर लीक और सरकारी परीक्षाओं में हुई गड़बड़ी के खिलाफ है। CJP ने इसके लिए मुख्य रूप से देश के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की पुरजोर मांग की है। कॉकरोच जनता पार्टी के इस प्रदर्शन में लद्दाख के मशहूर शिक्षाविद सोनम वांगचुक भी शामिल हैं। वह भी अभिजीत दीपके और CJP समर्थकों के साथ जंतर-मंतर पर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग कर रहे हैं।

पंजाब की सियासत में हलचल, अमित शाह और नड्डा से मिले कैप्टन अमरिंदर सिंह

अंदरूनी कलह या घर वापसी की आहट!

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

06 जून (एएम नाथ)

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने शनिवार को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब पंजाब भाजपा में नए प्रदेश अध्यक्ष के रूप में केवल सिंह ढिल्लों की नियुक्ति को लेकर कैप्टन की नाराजगी की चर्चाएं पहले से चल रही हैं। कैप्टन अमरिंदर सिंह हाल के दिनों में कई बार सार्वजनिक तौर पर पार्टी में अपनी बात नहीं सुने जाने का मुद्दा उठा चुके हैं। उन्होंने कहा था कि जब केवल सिंह ढिल्लों को पंजाब भाजपा का नया अध्यक्ष बनाया गया तो इस संबंध में उनसे कोई राय नहीं ली गई। कैप्टन का कहना था कि जब वह मुख्यमंत्री थे तो ढिल्लों सक्रिय जरूर थे, लेकिन जमीनी स्तर पर उनका प्रदर्शन वैसा नहीं था जैसा होना चाहिए था।

कैप्टन की नाराजगी की वजह?

भाजपा और कांग्रेस की कार्यशैली की तुलना करते हुए भी कैप्टन ने अपनी नाराजगी जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस में वह तीन बार प्रदेश अध्यक्ष रहे और वहां महत्वपूर्ण फैसलों से पहले उनसे सलाह ली जाती थी, जबकि भाजपा में फैसले ऊपर से आते हैं और किसी से पूछा नहीं जाता। उन्होंने यह भी कहा था कि भाजपा में बड़े नेताओं तक अपनी बात पहुंचाने और मुलाकात करने में भी दिक्कत होती है। कैप्टन ने इससे पहले यह भी कहा था कि वह आज भी कांग्रेस को मिस करते हैं। उनके अनुसार, कांग्रेस एक परिवार की तरह थी, जहां फोन करने पर नेता मुलाकात के लिए समय दे देते थे, जबकि भाजपा में ऐसा माहौल नहीं है। उन्होंने यह भी कहा था कि उनके जन्मदिन पर राहुल गांधी ने उन्हें बधाई संदेश भेजा था और उनके भाई रणधीर सिंह के निधन पर भी शोक संदेश भेजा था, जबकि भाजपा की ओर से किसी ने संवेदना व्यक्त नहीं की।

राजनीतिक रूप से कैप्टन का एक अन्य बयान भी चर्चा में रहा है, जिसमें उन्होंने पंजाब में भाजपा और शिरोमणि अकाली दल के बीच गठबंधन की वकालत की थी। हालांकि, भाजपा नेतृत्व लगातार यह कहता रहा है कि पार्टी प्रदेश की सभी 117 विधानसभा सीटों पर अपने दम पर चुनाव लड़ेगी।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान का निर्माण मजदूरों के लिए बड़ी राहत का ऐलान

पंजाब में 10 लाख मजदूरों का होगा मुफ्त पंजीकरण

- महिला मजदूरों को मांवा-धीयां सत्कार योजना के दायरे में लाया जाएगा; मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

06 जून (एएम नाथ)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज पूरे पंजाब में 10 लाख निर्माण मजदूरों के मुफ्त पंजीकरण और पुराने पंजीकरण को नवीनीकृत करने के लिए बड़ी मुहिम का ऐलान किया। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गांवों और शहरी क्षेत्रों में विशेष शिविर लगाकर कल्याण योजनाओं का लाभ सीधे मजदूरों तक पहुंचाया जाए। पंजाब बिल्डिंग एंड अदर कंस्ट्रक्शन वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार

हर निर्माण मजदूर को सामाजिक सुरक्षा लाभ, कल्याण सहायता और कौशल विकास के अवसर प्रदान करने के लिए वचनबद्ध है।

इस दौरान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब बिल्डिंग एंड अदर कंस्ट्रक्शन वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड का गठन निर्माण मजदूरों के पंजीकरण, वित्तीय सहायता और कल्याण योजनाओं के माध्यम से उनकी भलाई, सामाजिक सुरक्षा और सामाजिक-आर्थिक प्रगति सुनिश्चित करने के लिए किया गया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आवश्यक धनराशि उपलब्ध होने के बावजूद लंबे प्रोसेसिंग समय के कारण मजदूरों के लिए कल्याण योजनाएं आवश्यक सफलता हासिल नहीं कर सकीं।

कल्याण योजनाओं का दायरा बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, इस समय बी.ओ.सी.डब्ल्यू. वेलफेयर बोर्ड के पास 2.21 लाख मजदूर पंजीकृत हैं, जो पंजाब भर में चल रही बड़े पैमाने की निर्माण गतिविधियों और शहरीकरण को देखते हुए काफी कम है। पंजीकरण में सुधार के लिए राज्य भर में और पंजीकरण शिविर लगाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने ऐलान किया कि पंजाब सरकार इस विशेष मुहिम के दौरान मजदूरों पर पंजीकरण शुल्क का बोझ खत्म करेगी ताकि अधिक से अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित किया जा सके। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, यह देखा गया है कि मजदूर अक्सर पंजीकरण कराने में हिचकते हैं क्योंकि उन्हें पंजीकरण शुल्क के रूप में 145 रुपये जमा कराने होते हैं। पंजीकरण कराने और नवीनीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए इस विशाल पंजीकरण मुहिम के दौरान आवेदकों को यह शुल्क जमा कराने की आवश्यकता नहीं होगी। इस मुहिम के दौरान लगभग 10 लाख मजदूरों को पंजीकृत किया जाएगा और पंजाब सरकार इसके लगभग 15 करोड़ रुपये के वित्तीय खर्च को खुद सहन करेगी।

उन्होंने आगे कहा कि पंजाब सरकार पंजीकरण के बाद भी मजदूरों की मदद करना जारी रखेगी। उन्होंने कहा, पंजाब सरकार उन सभी मजदूरों का पंजीकरण शुल्क का खर्च उठाएगी, जो एक साल के अंदर किसी भी लाभ का फायदा नहीं उठाते। श्रम विभाग को गांवों में शाम के समय विशेष शिविर लगाने के निर्देश भी दिए गए हैं क्योंकि मजदूर उस समय काम से लौटते हैं और इससे अधिक से अधिक पंजीकरण सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

संक्षिप्त न्यूज

जिला चुनाव तहसीलदार मनजिंदर सिंह द्वारा की गई स्वयं-गणना

गुरदासपुर (संदीप सन्नी) – जिला चुनाव तहसीलदार गुरदासपुर मनजिंदर सिंह द्वारा अपनी स्वयं–गणना की गई और जिलावासियों को अधिक से अधिक स्वयं–गणना करने के लिए प्रेरित किया गया।

उल्लेखनीय है कि जनगणना विभाग द्वारा पहली बार डिजिटल जनगणना की जा रही है, जिसके तहत जनगणना 15 मई से शुरू चुकी है। इस दौरान गिनतीकार घर–घर जाकर मकानों की सूची तैयार करेंगे और मकानों की गणना करेंगे। इसके तहत पूछे जाने वाले 34 प्रश्नों के उत्तर एचएलओ ऐप में भरे जाएंगे। लेकिन इससे पहले, आम जनता की सुविधा के लिए जनगणना विभाग द्वारा 30 अप्रैल से 14 मई तक स्वयं–गणना पोर्टल खोल दिया गया है, जिसका हमें अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए। इसी कड़ी के तहत जिला चुनाव तहसीलदार मनजिंदर सिंह द्वारा जनगणना विभाग की गुरदासपुर टीम के सामने अपनी स्वयं–गणना पूरी कर ली गई है। इस अवसर पर लेक्चरर गुरमीत सिंह भोमा (नेशनल और स्टेट अवॉर्डी) जो कि बतौर जिला गुरदासपुर जनगणना मास्टर ट्रेनर तैनात हैं, सीनियर कानूनगो रणजीत सिंह बुट्टर, सुनील कुमार चुनाव कानूनगो, अमित गुप्ता, गगनदीप सिंह, भूपिंदर सिंह, परमजीत सिंह (नेशनल अवॉर्डी) और गगनदीप सिंह (सोशल मीडिया प्रभारी, स्वीप गुरदासपुर) उपस्थित थे।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा लंबे समय से लंबित मामलों के निपटारे के लिए विशेष लोक अदालत 21, 22 और 23 अगस्त को लगेंगी

गुरदासपुर (संदीप सन्नी) – सुप्रीम कोर्ट द्वारा 21, 22 और 23 अगस्त 2026 को एक विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य अदालत के समक्ष काफी समय से लंबित पड़े मामलों का आपसी सहमति से और तेजी से निपटारा सुनिश्चित करना है।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश–कम–अध्यक्ष, जिला कानूनी सेवाएं अथॉरिटी, गुरदासपुर, दिलबाग सिंह जोहल के मार्गदर्शन में हरप्रीत सिंह, सिविल जज (सीनियर डिवीजन)/सीजेएम–कम–सचिव, जिला कानूनी सेवाएं अथॉरिटी, गुरदासपुर द्वारा लोगों को इस विशेष लोक अदालत के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं।

न्यायाधीश जोहल ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट की इस अनूठी पहल से लंबित मामलों के बोझ को कम किया जाएगा और वैकल्पिक विवाद निवारण विधियों के माध्यम से मामलों का निपटारा किया जाएगा। विशेष लोक अदालत के दौरान आपसी सहमति और राजीनामे के योग्य मामलों को हल किया जाएगा। ऐसे मामलों में वैवाहिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावा के मामले, सर्विस विवाद, भूमि अधिग्रहण के मामले, उपभोक्ता मामले और अन्य सिविल विवाद शामिल हो सकते हैं, जो कानून के तहत लोक अदालत की कार्यवाही के माध्यम से निपटारे के योग्य हैं।

इन प्री–लोक अदालतों के तहत गुरदासपुर और सब–डिवीजन स्तर से संबंधित जिन मामलों की सूची माननीय सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया द्वारा मुख्य कार्यालय एस.ए.एस. नगर (मोहाली) के माध्यम से जिला कानूनी सेवाएं अथॉरिटी गुरदासपुर को प्राप्त हुई है, उन मामलों में जिला कानूनी सेवाएं अथॉरिटी कार्यालय द्वारा दोनों पक्षों को समन जारी कर दिए गए हैं। गुरदासपुर में ये प्री–लोक अदालतें माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री दिलबाग सिंह जोहल की देखरेख में लगाई जाएंगी। जिला कानूनी सेवाएं अथॉरिटी द्वारा आगामी 31 मई 2026 तक इन प्री–लोक अदालतों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इन प्री–लोक अदालतों के माध्यम से दोनों पक्षों की सहमति बनने के बाद इसकी रिपोर्ट मुख्य कार्यालय एस.ए.एस. नगर को भेजी जाएगी, ताकि सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया में 21, 22 और 23 अगस्त 2026 को आयोजित होने वाली विशेष लोक अदालत में मामलों का अंतिम निपटारा किया जा सके।

नशे की लत में डूबे युवक ने 16 दिन का नवजात 5 लाख में बेचा, मां से कहा- बच्चा मर गया

जालंधर में इंसानियत शर्मसार: टीकाकरण के बहाने नवजात का सौदा, पुलिस जांच शुरू

» प्रथम न्यूज । जालंधर
06 जून (एएम नाथ)

पंजाब के जालंधर जिले से इंसानियत को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। आरोप है कि नशे की लत में डूबे एक व्यक्ति ने अपनी तलाकशुदा पत्नी के 16 दिन के नवजात बच्चे को 5 लाख रुपये में बेच दिया। पीड़ित महिला ने मामले की शिकायत पुलिस कमिश्नर को दी है, जिसके बाद जांच के आदेश जारी कर दिए गए हैं।

पीड़िता के अनुसार, उसका चार वर्ष पहले अपने पति से तलाक हो चुका था। दोनों ने बाद में अलग–अलग शादियां कर ली थीं। हाल ही में महिला गर्भवती हुई और पति से विवाद के बाद किराए के मकान में रहने लगी। 21 मई को प्रसव पीड़ा होने पर उसका पूर्व पति बच्चों को साथ लेकर पहुंचा और उसे अस्पताल ले गया। जालंधर के सिविल अस्पताल में महिला ने एक बच्चे को जन्म दिया।

महिला का आरोप है कि 25 मई को टीकाकरण के बहाने एक महिला उसके कमरे पर पहुंची। कुछ देर के लिए उसके बाहर जाते ही वह महिला नवजात को लेकर फरार हो गई। बाद में पता चला कि बच्चे को अमृतसर की एक महिला को 5 लाख रुपये में बेच दिया गया है।

पीड़िता ने बताया कि जब उसने बच्चे के बारे में पूछताछ की तो आरोपी पूर्व पति ने कहा कि बच्चे की मौत हो चुकी है और उसे दफना दिया गया है। शिकायत करने पर आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी।

महिला के मुताबिक, बच्चे को खरीदने वाली महिला ने कुछ दिनों बाद फोन कर बताया कि वह बच्चे की देखभाल नहीं कर पा रही है और पैसे वापस लेकर बच्चा ले जाने को कहा। इसी दौरान आरोपी ने सोशल मीडिया पर नोटों की गड्डियों की तस्वीरें और वीडियो साझा किए। आरोप है कि उसने मिले पैसों से एलईडी, कूलर और अन्य सामान भी खरीदा।

फिलहाल पुलिस कमिश्नर ने रामा मंडी थाना प्रभारी को मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। पुलिस पूरे प्रकरण की पड़ताल कर रही है।

पटियाला के बाद अब सुनाम में भी युवाओं पर लाठीचार्ज : पंजाब सरकार का असली चेहरा बेनकाब

युवाओं को नौकरी नहीं, लाठियां मिल रही हैं : राजेश कपूर

जालंधर 6 ,जून (शैली अल्बर्ट) – पटियाला स्थित PSPCL मुख्यालय के सामने रोजगार की मांग कर रहे Apprentice Linemen और ITI पास युवाओं पर हुए लाठीचार्ज के बाद अब सुनाम में भी प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई बेहद निंदनीय और शर्मनाक है। जो सरकार 2022 के चुनावों के दौरान बदलाव और युवाओं को रोजगार देने के वादे कर रही थी, वही सरकार आज अपने हक की मांग कर रहे युवाओं की आवाज को डंडों के जोर पर दबाने की कोशिश कर रही है।

पंजाब का युवा आज बेरोजगारी, धक्केशाही और सरकारी अत्याचार का शिकार हो रहा है। नौकरियां देने की बजाय पंजाब सरकार पुलिस के माध्यम से डर का माहौल बनाने में लगी हुई है। यह लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है और किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

पंजाब के युवा अपने भविष्य के लिए संघर्ष कर रहे हैं, कोई अपराध नहीं कर रहे। शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर लाठियां बरसाना सरकार की नाकामी और तानाशाही सोच को दर्शाता है।

हम पंजाब पुलिस की इस दमनकारी कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हैं और मांग करते हैं कि युवाओं के साथ धक्केशाही करने वाले अधिकारियों के खिलाफ तुरंत सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही युवाओं की जायज मांगों को तुरंत माना जाए।

तरनतारन में सियासी उलटफेर

9 पार्षदों के साथ कांग्रेस ने शुरू की पट्टी नगर कौंसिल पर कब्जे की तैयारी

» प्रथम न्यूज । अमृतसर
06 जून (साहिब दयाल)

तरनतारन में नगर कौंसिल पट्टी के चुनाव नतीजों में बहुमत के आंकड़े से पीछे रही आम आदमी पार्टी (आप) ने फैसला किया है कि चार वार्डों से चुनाव जीतने वाले आजाद प्रत्याशियों का समर्थन लेकर कुर्सी पर काबज नहीं होंगे। ऐसे में नौ पार्षदों का नेतृत्व करने वाले कांग्रेस के पूर्व विधायक हरमिंदर सिंह गिल ने सियासी सरगर्मी बढ़ाते हुए नगर कौंसिल पट्टी के लिए दावा पेश करने की तैयारी कर ली है।

कांग्रेस के पास भले ही बहुमत को लेकर एक पार्षद कम है, लेकिन जोड़–तोड़ की राजनीति में उन्हें भरोसा है कि कमेटी बनाने लिए एक से अधिक पार्षद समर्थन देंगे। नगर कौंसिल की कुल 19 वार्डों में से छह पर आप, चार पर आजाद गुट विजेता रहा था। जबकि कांग्रेस के नौ पार्षद चुनाव जीते।

आप ने पहले कमेटी बनाने का लिया था फैसला : चुनावी नतीजों के बाद आप ने आजाद पार्षदों का समर्थन लेकर कमेटी बनाने का फैसला लिया था। जिसको लेकर आजाद गुट का नेतृत्वन करने वाले पूर्व मंत्री आदेश प्रताप सिंह केरों ने बिना शर्त समर्थन देने पर बकायदा बैठक कर ली थी, लेकिन डीएम आत्महत्या मामले में जेल में बंद पूर्व मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने अपनी पार्टी को ऐसा करने से रोक दिया है।

जिसके बाद आप ने नगर कौंसिल में कमेटी बनाने लिए सियासी सरगर्मी पर विराम लगा दिया। आप की सियासत ठंडी पड़ते ही कांग्रेस पार्टी ने अपनी सरगर्मी को बढ़ा दिया है। इस बाबत बकायदा एक बैठक भी हो चुकी है।

पीएसपीसीएल में संसाधनों की कमी से बढ़ीं मुश्किलें, शिकायतों के समाधान में हो रही देरी

» प्रथम न्यूज । जालंधर
06 जून (डोगरा)

पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) में कर्मचारियों और संसाधनों की कमी का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। बिजली संबंधी शिकायतों के समाधान में लगातार देरी हो रही है, जिससे उपभोक्ताओं में रोष बढ़ता जा रहा है। बिजली कटौती, लो–वोल्टेज, खराब मीटर, ट्रांसफार्मरों की खराबी तथा नए बिजली कनेक्शनों से जुड़ी समस्याओं को लेकर लोग विभागीय कार्यालयों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। पर्याप्त स्टाफ और तकनीकी संसाधनों की कमी के कारण कर्मचारियों पर कार्यभार बढ़ गया है, जिससे शिकायतों का समय पर निपटारा नहीं हो पा रहा। फील्ड स्तर पर कार्यरत कर्मचारी सीमित संसाधनों के बीच अपनी जिम्मेदारियां निभाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन विभाग में लंबे समय से खाली पड़े पदों के कारण व्यवस्था प्रभावित हो रही है। इसका सीधा असर आम उपभोक्ताओं को झेलना पड़ रहा है। पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) में संसाधनों और आवश्यक सामान की कमी का असर अब आम उपभोक्ताओं पर साफ दिखाई देने लगा है। बिजली संबंधी शिकायतों के समाधान में देरी होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि बिजली कटौती, लो–वोल्टेज, खराब मीटर, ट्रांसफार्मर खराब होने तथा नए कनेक्शनों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए उन्हें कई दिनों तक इंतजार करना पड़ता है।

सूत्रों के अनुसार विभाग के कई कार्यालयों में आवश्यक तकनीकी सामान और उपकरणों की कमी बनी हुई है, जिसके कारण फील्ड स्टाफ को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों पर बढ़ते कार्यभार और सीमित संसाधनों के चलते शिकायतों का समय पर निपटारा नहीं हो पा रहा।

--अधिकारियों ने भी मानी परेशानी

इस संबंध में जब विभाग के अधिकारियों से बात की गई तो उन्होंने नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर बताया कि दफ्तरों में आवश्यक सामान और संसाधनों की कमी के चलते कई बार लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अधिकारियों का कहना है कि इस संबंध में उच्च अधिकारियों को कई बार अवगत करवाया जा चुका है, लेकिन अभी तक आवश्यक सामान की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं हो सकी है। उन्होंने कहा कि कई बार खराबी दूर करने या मरम्मत कार्य में केवल इसलिए देरी हो जाती है क्योंकि जरूरी सामग्री समय पर उपलब्ध नहीं होती। इसका खामियाजा अंततः आम लोगों को भुगतना पड़ता है।

गर्मी के मौसम में बढ़ सकती हैं समस्याएं : बिजली की बढ़ती मांग के बीच यदि विभाग में संसाधनों और स्टाफ की कमी दूर नहीं की गई तो आने वाले दिनों में उपभोक्ताओं की परेशानियां और बढ़ सकती हैं। लोगों ने सरकार और विभागीय प्रबंधन से मांग की है कि खाली पदों को भरा जाए तथा आवश्यक उपकरण और सामग्री उपलब्ध करवाई जाए ताकि शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित हो सके।

लुधियाना रेलवे स्टेशन पर जोरदार धमाका, वॉशरूम के पास ब्लास्ट के बाद मची अफरा-तफरी

कटरा स्पेशल ट्रेन की कपलिंग टूटी, टॉयलेट क्षतिग्रस्त होने से गूंजी धमाके जैसी आवाज, लुधियाना स्टेशन पर बड़ा हादसा टला, कपलिंग फेल होने से दो कोच हुए अलग

» प्रथम न्यूज । लुधियाना
06 जून (ब्यूरो)

पंजाब के लुधियाना रेलवे स्टेशन पर शनिवार सुबह करीब 9 बजे उस समय अफरा–तफरी का माहौल बन गया, जब स्टेशन परिसर में जोरदार धमाके जैसी आवाज सुनाई दी। आवाज इतनी तेज थी कि प्लेटफॉर्म और स्टेशन परिसर में मौजूद यात्री घबरा गए और कुछ देर के लिए भगदड़ जैसे हालात पैदा हो गए। घटना के समय स्टेशन पर बड़ी संख्या में यात्री मौजूद थे, जो अपने–अपने गंतव्य के लिए ट्रेन का इंतजार कर रहे थे।

प्रारंभिक सूचना मिलने पर रेलवे अधिकारियों, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और स्थानीय पुलिस की टीमें तत्काल मौके पर पहुंचीं। सुरक्षा एजेंसियों ने प्रभावित क्षेत्र को घेरकर जांच शुरू कर दी। शुरुआत में धमाके की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई थी, जिसके चलते यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों में दहशत का माहौल बना रहा।

बाद में जांच के दौरान सामने आया कि यह कोई विस्फोट नहीं था, बल्कि न्यू दिल्ली–श्री माता वैष्णो देवी कटरा स्पेशल ट्रेन (04081) में तकनीकी खराबी के कारण हादसा हुआ था। जानकारी के अनुसार ट्रेन लुधियाना स्टेशन से रवाना होने की तैयारी में थी। इसी दौरान ट्रेन के दो डिब्बों को जोड़ने वाली कपलिंग अचानक टूट गई। कपलिंग टूटने के कारण दोनों कोच अलग हो गए और झटके की वजह से स्लीपर कोच के टॉयलेट का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। इसी घटना से धमाके जैसी तेज आवाज उत्पन्न हुई, जिसे यात्रियों ने विस्फोट समझ लिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना के समय प्रभावित कोच और आसपास कई यात्री मौजूद थे। हालांकि राहत की बात यह रही कि हादसे में किसी यात्री या रेलवे कर्मचारी के घायल होने की सूचना नहीं मिली। कुछ लोग घटना स्थल के काफी करीब थे, लेकिन वे बाल–बाल बच गए। रेलवे अधिकारियों ने भी पुष्टि की है कि किसी प्रकार की जनहानि या बड़ा नुकसान नहीं हुआ है।

घटना के बाद रेलवे प्रशासन ने ट्रेन की तकनीकी जांच शुरू कर दी है। इंजीनियरिंग और मैकेनिकल विभाग की टीमें कपलिंग टूटने के कारणों की जांच कर रही हैं। वहीं सुरक्षा एजेंसियां भी सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि घटना पूरी तरह तकनीकी खराबी का परिणाम थी। अधिकारियों का कहना है कि विस्तृत जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हादसे के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि की जाएगी। फिलहाल स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है और रेल संचालन सामान्य बनाए रखने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पंजाब सरकार के इशारे पर पटियाला में बेरोजगार सहायक लाइनमैनों पर हुआ पुलिसिया अत्याचार लोकतंत्र की हत्या : जीटीयू पंजाब

हक मांग रहे बेरोजगारों और कर्मचारियों की आवाज लाठियों से दबाने की हो रही कोशिश : गणेश भगत

» प्रथम न्यूज । जालंधर
06 जून (शिव कुमार)

पंजाब सरकार के इशारे पर पटियाला में 2600 बेरोजगार सहायक लाइनमैनों के शांतिपूर्ण धरने को पुलिस बल और लाठीचार्ज के जरिए दबाने की कथित कोशिश ने सरकार का असली चेहरा जनता के सामने उजागर कर दिया है। यह बात गवर्नमेंट टीचर्स यूनियन (जीटीयू) पंजाब के सहायक प्रेस सचिव गणेश भगत, उपाध्यक्ष रछपाल सिंह वड़ैच तथा जिला कपूरथला के वरिष्ठ नेता दलजीत सिंह सैणी ने कही।

यूनियन नेताओं ने कहा कि सत्ता में आने से पहले मौजूदा सरकार के मंत्रियों और विधायकों ने युवाओं तथा कर्मचारी वर्ग से कई वादे किए थे, लेकिन सरकार बनने के बाद वे सभी वादे भुला दिए गए हैं। आज पंजाब के विभिन्न विभागों में हजारों पद खाली होने के बावजूद युवा रोजगार की मांग को लेकर सड़कों पर संघर्ष करने के लिए मजबूर हैं और उन्हें उनके अधिकारों के बदले लाठियां मिल रही हैं। नेताओं ने कहा कि पंजाब के युवाओं और कर्मचारी वर्ग को इस सरकार से ऐसी उम्मीद नहीं थी। जीटीयू पंजाब ने पटियाला में बेरोजगार सहायक लाइनमैनों पर हुए कथित पुलिस अत्याचार की कड़ी निंदा करते हुए सरकार से मांग की कि वह जल्द इन युवाओं की बात सुने, उनकी मांगों का समाधान करे तथा उन्हें उनका बनता हक दे। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर बल प्रयोग करना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं है।

यूनियन नेताओं ने कहा कि सरकार के कार्यकाल का जो समय शेष बचा है, उसमें विभिन्न विभागों में लंबे समय से कार्यरत कच्चे कर्मचारियों को नियमित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

उनका आरोप है कि अपने जायज अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे कर्मचारियों और बेरोजगार युवाओं की आवाज को दबाने के लिए सरकार लगातार दमनकारी रवैया अपना रही है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि पंजाब का समूचा कर्मचारी वर्ग और उनके परिवार सरकार की नीतियों के खिलाफ एकजुट होकर फैसला ले लेते हैं, तो इसका असर आगामी चुनावों में देखने को मिल सकता है।

नेताओं ने सरकार से संवाद के रास्ते को अपनाने और कर्मचारियों व बेरोजगार युवाओं की समस्याओं का समाधान करने की अपील की।

पंजाब में मौसम बदलेगा मिजाज, 7 जिलों में बारिश और तूफान का अलर्ट जारी

40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती हैं तेज हवाएं

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
06 जून (एएम नाथ)

पंजाब में लोगों को जल्द ही भीषण गर्मी से राहत मिलने वाली है। दरअसल आज यानि 6 जून को पंजाब के सात जिलों में बारिश और तीन जिलों में आंधी–तूफान का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग के मुताबिक आज पंजाब के सात जिलों में बारिश और तीन जिलों में आंधी–तूफान का येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। बता दें कि मुक्तसर, बठिंडा और मानसा में आंधी, बिजली गिरने और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की गई है। पठानकोट, होशियारपुर, मुक्तसर, बठिंडा, मानसा, रूपनगर और मोहाली में भी बारिश की संभावना है।

मौसम विभाग के मुताबिक यह 20 से 25 जून के बीच मानसून पंजाब में प्रवेश कर सकता है। वहीं इस वर्ष पंजाब में मानसून की बारिश सामान्य से 8 से 10 प्रतिशत कम रहने की आशंका है। वहीं मानसून से पहले की गतिविधियां जून के मध्य में शुरू हो सकती हैं।

इस दौरान कई जिलों में गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। पिछले 24 घंटों में हुई बारिश के कारण राज्य का अधिकतम तापमान 2.2 डिग्री सेल्सियस गिर गया है। तापमान अब सामान्य से 3.4 डिग्री नीचे है।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

संक्षिप्त न्यूज

कुटलैहड़ का ऐतिहासिक जिला स्तरीय पीपलू मेला 24 से 26 जून तक

बंगाणा, (जोगिंद्र देव आर्य)- कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के ऐतिहासिक एवं जिला स्तरीय पीपलू मेले के सफल आयोजन को लेकर बंगाणा में विधायक विवेक शर्मा की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और मेला समिति के सदस्यों ने भाग लिया।

बैठक में 24 से 26 जून तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय मेले की तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपी गईं। विधायक विवेक शर्मा ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेले के आयोजन में किसी प्रकार की कमी न रहे और सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी की जाएं। उन्होंने बताया कि मेले का शुभारंभ 24 जून को पारंपरिक फेरी एवं झंडा रस्म के साथ होगा। मेले में सांस्कृतिक संध्याएं, स्कूली बच्चों के कार्यक्रम, कबड्डी, वॉलीबॉल, रस्साकशी, कुश्ती सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा डॉग शो और विभिन्न विभागों की प्रदर्शनियां भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

मेले के अंतिम दिन 26 जून को भव्य स्टार नाइट का आयोजन किया जाएगा, जिसमें हिमाचली लोक कलाकारों के साथ एक प्रसिद्ध पंजाबी गायक भी प्रस्तुति देगा। विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि पीपलू मेला क्षेत्र की संस्कृति, भाईचारे और सामाजिक समरसता का प्रतीक है तथा इसे भव्य और यादगार बनाने के लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला परिषद के नवनिर्वाचित सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह 8 को

बिलासपुर, (जितेंद्र गौतम)- उपायुक्त राहुल कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला परिषद बिलासपुर के सभी 14 वार्डों के नवनिर्वाचित सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह 8 जून को प्रातः 11 बजे जिला पंचायत संसाधन केंद्र भवन के प्रशिक्षण हॉल हॉल में आयोजित किया जाएगा। इस शपथ ग्रहण समारोह में जिला के सभी नवनिर्वाचित जिला परिषद सदस्यों को शपथ दिलाई जाएगी।

उपायुक्त ने दिलाई शिमला जिला के नवनिर्वाचित जिला परिषद सदस्यों को शपथ

शिमला, (बी. शर्मा)- उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने आज जिला शिमला के नव निर्वाचित जिला परिषद सदस्यों को बचत भवन के सभागार कक्ष में शपथ दिलाई जिसमे सभी 25 वार्ड के नव निर्वाचित सदस्य शामिल रहे।

नवनिर्वाचित जिला परिषद सदस्यों के तहत वार्ड संख्या 1 त्यावल ज्यूरी से कुमारी अनुराधा, वार्ड संख्या 2 झाकड़ी से कुमारी ममता, वार्ड संख्या 3 नरैण से रॉनी, वार्ड संख्या 4 बगलती से रानु देवी, वार्ड संख्या 5 सीमा रणटाड़ी से सुरेंद्र रेटका, वार्ड संख्या 6 क्वार से मनजीत सिंह, वार्ड संख्या 7 खशधार से धर्मेंद्र सिंह, वार्ड संख्या 8 भलूण से कल्पना देवी, वार्ड संख्या 9 टिककर से भरत सिंह कलांटा, वार्ड संख्या 10 सरस्वती नगर से कुमारी नेहा मेहता, वार्ड संख्या 11 बढाल से मीनाक्षी, वार्ड संख्या 12 कलबोग से रेखा चौहान व वार्ड संख्या 13 चडोली से कुमारी मन्नत तेगवान ने जिला परिषद सदस्य की शपथ ली। इसी प्रकार वार्ड संख्या 14 चन्दलोग नेरूवा से भोपेंद्र, वार्ड संख्या 15 गोरली मड़ावग से अतुल शर्मा, वार्ड संख्या 16 घोड़ना से सुरेंद्र कुमार, वार्ड संख्या 17 टियाली से कुमारी नेहा जगटा, वार्ड संख्या 18 क्यार से आशा कंवर, वार्ड संख्या 19 चमियाना से खुश विक्रम सेन, वार्ड संख्या 20 बल्देंया से ओम प्रकाश, वार्ड संख्या 21 बढ़ई से प्रियंका तनवर, वार्ड संख्या 22 हलोग धामी से अनीता देवी, वार्ड संख्या 23 खटनोल से कुमारी प्रभा उर्फ शिवानी, वार्ड संख्या 24 कुमारसैन से तारा देवी व वार्ड संख्या 25 भुटटी से संदीप को शपथ दिलाई गई।

फेसबुक वीडियो से साम्प्रदायिक वैमनस्य फैलाने के आरोप में युधवीर सिंह बैंस गिरफ्तार

शिमला, 6 जून (एएम नाथ)- थाना बालूगंज में प्राप्त एक शिकायत के आधार पर पुलिस ने सोशल मीडिया पर कथित रूप से साम्प्रदायिक वैमनस्य फैलाने वाली सामग्री प्रसारित करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि युधवीर सिंह बैंस नामक व्यक्ति ने अपने फेसबुक अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें विभिन्न धार्मिक समुदायों के बीच वैमनस्य उत्पन्न करने वाली सामग्री, एक विशेष समुदाय को लक्षित करने वाली टिप्पणियां तथा आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया गया था।

शिकायत में कहा गया कि उक्त वीडियो बड़ी संख्या में लोगों द्वारा देखा जा रहा था, जिससे क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति प्रभावित होने तथा साम्प्रदायिक सौहार्द बिगड़ने की आशंका उत्पन्न हो सकती थी। पुलिस द्वारा की गई प्रारंभिक जांच और वीडियो के विश्लेषण में भी पाया गया कि संबंधित सामग्री विभिन्न समुदायों के बीच तनाव बढ़ाने और सामाजिक सद्भावना को प्रभावित करने वाली हो सकती है।

उपलब्ध तथ्यों के आधार पर पुलिस थाना वेस्ट, जिला शिमला में एफआईआर संख्या 108/2026 दर्ज की गई। मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 196, 299 और 353(2) के तहत जांच शुरू की गई।

पुलिस के अनुसार आरोपी को जांच में शामिल होने के लिए कई बार कहा गया, लेकिन उसने सहयोग नहीं किया। आरोप है कि उसने पुलिस अधिकारियों की वीडियो रिकॉर्डिंग भी की और जांच प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न की। इसके चलते मामले में बीएनएस की धारा 221 भी जोड़ी गई।

जांच के दौरान एकत्रित साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर पुलिस ने युध चंद बैंस (54), निवासी ग्राम नलसर, डाकघर राजगढ़, तहसील बल्ह, जिला मंडी को 6 जून 2026 को विधि अनुसार गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी विभिन्न मामलों में आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। मामले की आगे की जांच जारी है।

हिमाचल कैबिनेट के बड़े फैसले

400 वर्क इंस्पेक्टर, 950 से अधिक स्वास्थ्य पदों की भर्ती को मंजूरी

» प्रथम न्यूज । शिमला

06 जून (बी शर्मा)

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में आज यहां आयोजित राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

मंत्रिमंडल ने विभिन्न विभागों द्वारा अलग-अलग कारणों से पहले अस्वीकृत किए गए करुणामूलक नियुक्ति के मामलों पर पुनर्विचार करने को मंजूरी दी। एकमुश्त विशेष उपाय के रूप में सबसे वाजिब अस्वीकृत मामलों की दोबारा जांच की जाएगी तथा आवश्यक छूट प्रदान की जाएगी। मंत्रिमंडल ने सरकारी भूमि पर कुछ अतिक्रमणों के लिए नियमितीकरण नीति-2026 (पॉलिसी फॉर रेगुलराईजेशन ऑफ सर्टेन एनक्रोचमेंट ऑन गवर्नमेंट लैंड-2026) को मंजूरी दी। यह नीति उन भूमिहीन परिवारों और सीमांत किसानों के मानवीय सरोकार को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है, जो आवासीय, कृषि एवं बागवानी उद्देश्यों के लिए सरकारी भूमि पर कब्जे में हैं। यह नीति सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप तैयार की गई है तथा इसे मंजूरी के लिए भारत सरकार को भेजा गया है।

मंत्रिमंडल ने उन किसानों के लिए कृषि ऋण ब्याज अनुदान योजना शुरू करने का निर्णय लिया, जिनकी भूमि नीलामी के खतरे में है। इसके तहत राज्य सरकार पात्र किसानों के 3 लाख रुपये तक के कृषि ऋण पर ब्याज देनदारी का 50 प्रतिशत वहन करेगी। इससे प्रदेश के 6,356 किसानों को लाभ मिलेगा।

मंत्रिमंडल ने भर्ती निदेशालय के अंतर्गत वर्क इंस्पेक्टर के 400 पद सृजित कर भरने को मंजूरी प्रदान की। बैठक में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में चिकित्सा अधिकारियों के 300 तथा चतुर्थ श्रेणी/मल्टी टास्क वर्करों के 250 पद भरने की स्वीकृति दी गई। इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में 200 स्टाफ नर्सों की भर्ती को भी मंजूरी दी गई। मंत्रिमंडल ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में 162 पद भरने का निर्णय लिया, जिनमें 76 ऑपरेशन थिएटर सहायक, 36 रेडियोग्राफर तथा 50 लैब तकनीशियन ग्रेड-प्प् के पद शामिल हैं। राज्य के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में विभिन्न विभागों के 75 सहायक प्रोफेसरों के पद सृजित कर भरने को मंजूरी दी गई।

मंडी जिले के नेरचौक स्थित श्री लाल बहादुर शास्त्री राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय के कार्डियोलॉजी विभाग में सहायक प्रोफेसर के दो और वरिष्ठ रेजिडेंट के दो पद भरने को स्वीकृति प्रदान की गई। मंत्रिमंडल ने डॉ. राधाकृष्णन राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय हमीरपुर के छः नामित प्रोफेसरों को पात्रता प्राप्त करने के लिए आवश्यक अवधि से 6 से 20 दिन कम होने के कारण एकमुश्त विशेष छूट देने का निर्णय लिया। कांगड़ा जिले के सिविल अस्पताल देहरा में विभिन्न श्रेणियों के 12 पद तथा ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी कार्यालय देहरा में 3 पद सृजित कर भरने को मंजूरी दी गई।

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला में विभिन्न विभागों में सहायक प्रोफेसरों के 17 पद भरने का निर्णय लिया गया।

मंत्रिमंडल ने अध्ययन अवकाश पर जाने वाले कर्मचारियों को पूर्ण वेतन देने का निर्णय लिया। जिन कर्मचारियों ने पहले अध्ययन अवकाश लिया था, उन्हें भी बकाया वेतन राशि का भुगतान किया जाएगा। 31 मार्च, 2026 तक लगातार सात वर्ष की सेवा पूरी कर चुके अंशकालिक कर्मचारियों को दैनिक वेतनभोगी बनाने को मंजूरी दी गई। जॉब ट्रेनीज़ को 15 दिन का पितृत्व अवकाश प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

हमीरपुर जिले के नेरी स्थित बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय में विभिन्न श्रेणियों के तीन पद सृजित कर भरने की मंजूरी दी गई।

मण्डलायुक्त कार्यालय मंडी में जूनियर ऑफिस असिस्टेंट (आईटी) के दो पद सृजित करने का निर्णय भी लिया गया।

होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा विभाग में एक जूनियर ऑफिस असिस्टेंट (आईटी) तथा दिव्यांग व्यक्तियों के लिए आरक्षित एक मल्टी टास्क वर्कर का पद भरा जाएगा।

कांगड़ा जिले के बैजनाथ और बीड़ उप-मंडलों के पुनर्गठन के माध्यम से चढ़ियार में लोक निर्माण विभाग का नया उप-मंडल स्थापित किया जाएगा। मंत्रिमंडल ने हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवा के तीन पद भरने का निर्णय लिया। पूर्ववर्ती हिमाचल प्रदेश कर्मचारी चयन आयोग, हमीरपुर द्वारा जारी 80 पोस्ट कोडों के विज्ञापन वापस लेने तथा संबंधित अभ्यर्थियों को 4.27 करोड़ रुपये परीक्षा शुल्क वापस करने की मंजूरी दी गई।

मंत्रिमंडल ने राजीव गांधी स्वरोजगार स्टार्ट-अप योजना का चौथा चरण आरम्भ करने की मंजूरी दी। योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को ई-बस खरीदने पर 50 प्रतिशत तथा डीजल बस खरीदने पर 30 प्रतिशत सब्सिडी प्रदान की जाएगी, जिससे स्वरोजगार को बढ़ावा मिलेगा और सार्वजनिक परिवहन सेवाएं मजबूत होंगी।

मंत्रिमंडल ने हिमाचल प्रदेश एनडीपीएस नियम, 1989 में संशोधन को मंजूरी दी ताकि चिकित्सा एवं वैज्ञानिक उद्देश्यों के लिए भांग की खेती, प्रसंस्करण, निर्माण, भंडारण और परिवहन को विनियमित किया जा सके।

शिमला जिले के जुब्बल, कोटखाई और रोहड़ू क्षेत्रों के 15 अग्नि प्रभावित परिवारों के लिए विशेष राहत पैकेज को मंजूरी दी गई। जिन परिवारों के मकान पूरी तरह नष्ट हो गए हैं, उन्हें प्रति परिवार 7 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। कुल 84.70 लाख रुपये की सहायता राशि वितरित की जाएगी। बैठक में उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की अध्यक्षता में एक मंत्रिमंडलीय उपसमिति गठित करने का निर्णय लिया गया, जो विभिन्न विभागों में मल्टी टास्क वर्करों की भर्ती प्रक्रिया को केन्द्रीकृत एवं सुव्यवस्थित करने पर विचार करेगी।

मंत्रिमंडल ने घरेलू उपयोग के लिए खनिज परिवहन करने वाले ट्रैक्टरों की कम्पाउंडिंग फीस 4,500 रुपये से घटाकर 500 रुपये करने को मंजूरी दी। इससे ट्रैक्टर संचालकों को बड़ी राहत मिलेगी और अनावश्यक दंड से बचाव होगा।

मंत्रिमंडल ने ग्रेजिंग पॉलिसी-2026 को मंजूरी दी, जिसके तहत वन विभाग और पशुपालन विभाग संयुक्त रूप से एक ऑनलाइन पोर्टल विकसित करेंगे। इससे पशुपालकों को रियल-टाइम परमिट उपलब्ध होंगे और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

बैठक में हिम केयर योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य बीमा कवरेज को बीमा मॉडल के अंतर्गत संचालित करने का निर्णय लिया गया। संशोधित व्यवस्था के अनुसार पात्र लाभार्थियों को अब 5 लाख रुपये के स्थान पर 7 लाख रुपये तथा 10 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान किया जाएगा। मंत्रिमंडल ने तकनीकी शिक्षण संस्थानों के लिए राज्य नवाचार नीति को भी मंजूरी दी। इस नीति का उद्देश्य हिमाचल प्रदेश को नवाचार, उद्यमिता और स्टार्ट-अप के उभरते केंद्रों के रूप मे विकसित करना है। इस नीति के क्रियान्वयन के लिए वर्ष 2026 से 2028 तक 2 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। बैठक में कांगड़ा जिला के पटोला में 132/33 केवी सब-स्टेशन तथा कंगैहण में 220 केवी स्विचिंग सब-स्टेशन के निर्माण के लिए हिमाचल प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटिड के पक्ष में 40 वर्षों की पट्टा (लीज) प्रदान करने को स्वीकृति प्रदान की गई।

मंत्रिमंडल ने मंडी जिला के नागरिक अस्पताल सरकाघाट की क्षमता 100 बिस्तरों से बढ़ाकर 150 बिस्तर करने तथा इसके लिए आवश्यक पदों को सृजित कर भरने को स्वीकृति दी।

बैठक में नागरिक अस्पताल बद्दी को 200 बिस्तरों वाले अस्पताल में स्तरोन्नत करने तथा सोलन जिला के मानपुरा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोलने तथा इसके संचालन के लिए आवश्यक पदों को सृजित कर भरने का निर्णय लिया।

मंत्रिमंडल ने हमीरपुर जिला के मझेली में प्राथमिक स्वास्थ्य उप-केंद्र खोलने तथा इसके सुचारू संचालन के लिए आवश्यक पदों का सृजन कर भरने को स्वीकृति दी।

बैठक में सोलन जिला के राज्य स्तरीय शूलिनी मेले को राष्ट्रीय स्तर का दर्जा प्रदान करने तथा चंबा जिला के छतराड़ी स्थित मां शिव शक्ति जातर मेले तथा कांगड़ा जिला के इंदौरा स्थित शिवरात्री मेले काठगढ़ को राज्य स्तरीय मेले का दर्जा देने को स्वीकृति प्रदान की।

मंत्रिमंडल ने कांगड़ा जिला के मेले नेरटी रैत, सोलन जिला के अर्की तहसील के बाड़ीधार मेले सरयांज, चंबा जिला के छिंज मेले गरनोटा तथा मंडी जिला के करसोग तहसील के नाहवीधार मेले को जिला स्तरीय मेले का दर्जा देने को मंजूरी दी। बैठक में शिमला जिले के जुब्बल स्थित ठाकुर रामलाल कन्या खेल छात्रावास को ठाकुर रामलाल राजकीय बालिका खेल विद्यालय, जुब्बल में स्तरोन्नत करने तथा विभिन्न श्रेणियों के 23 पद सृजित कर भरने को स्वीकृति दी गई। मंत्रिमंडल ने मुख्यमंत्री सहारा योजना का सुचारू और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए संशोधित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को भी मंजूरी दी।

शिक्षा सचिव ने मंत्रिमंडल के समक्ष सीबीएसई विद्यालयों से संबधित एक प्रस्तुति भी दी।

पीएमएमवीवाई लाभार्थियों के पंजीकरण, निगरानी और रिपोर्टिंग पर हुआ मंथन

PMMVY एवं पोषण अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर चंबा में एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

» प्रथम न्यूज । शिमला

06 जून (एएम नाथ)

महिला एवं बाल विकास विभाग, चंबा के मार्गदर्शन में IPE Global Pvt. Ltd. द्वारा जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय करियां में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य पोषण अभियान एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY) के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना तथा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कार्यक्षमता को सुदृढ़ बनाना था।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के सभी विकास खंडों से बाल विकास परियोजना अधिकारी (CDPO), वृत्त पर्यवेक्षक (सुपरवाइजर), खंड समन्वयक पोषण अभियान तथा अन्य अधिकारियों सहित लगभग 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त IPE Global के प्रतिनिधि डॉ. गौरव सेठी तथा जिला एवं ब्लॉक स्तर के प्रतिनिधि भी प्रशिक्षण में उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण का संचालन IPE Global Pvt. Ltd. के विशेषज्ञों द्वारा किया गया। इस दौरान राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों ने भी प्रतिभागियों को विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षण में पोषण अभियान तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत लाभार्थियों के पंजीकरण, निगरानी, सत्यापन, डेटा प्रबंधन एवं रिपोर्टिंग प्रक्रियाओं पर विशेष चर्चा की गई। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत पात्र गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता से संबंधित दिशा-निर्देश भी साझा किए गए। विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक तकनीकी एवं प्रशासनिक पहलुओं से अवगत कराया तथा लाभार्थियों तक समयबद्ध सेवाएं पहुंचाने पर बल दिया।

इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी कमल किशोर शर्मा ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक योजना का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यदि किसी पात्र महिला को किसी भी कारणवश योजना का लाभ प्राप्त नहीं हो पा रहा है, तो IPE Global के सहयोग से ऐसे मामलों का समाधान कर लाभ उपलब्ध करवाना सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि विभाग का लक्ष्य जिले की प्रत्येक पात्र गर्भवती एवं धात्री महिला को समय पर योजना का लाभ प्रदान करना है, ताकि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके।

देवी भागवत कथा श्रवण से जीवन होता है सुखमय - वेदाचार्य राधा रमण शास्त्री

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)- हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी ब्रम्हलीन महात्मा नागा बाबा जी एवं प्रेम गिरि जी महाराज की कुटिया शिव गौरी मंदिर सुन्हानी में चल रही श्रीमद् देवी भागवत कथा के छठे दिन वेदाचार्य राधा रमन शास्त्री ने श्री गणपति, शिव-पार्वती, विष्णु, ब्रह्मा की स्तुति करने के उपरान्त श्री वेदव्यास महर्षि द्वारा लिखी गई श्री देवी भागवत कथा का व्याख्यान किया गया। उन्होंने मनुष्य को जीवन में संयम, सदाचार, आचरण, क्षमा प्रदान करने का माद्दा अख्तियार करने का संकल्प करवाया। उन्होंने मां भगवती के विभिन्न रूपों के मस्तिष्क दर्शन करवाते हुए कहा कि देवी के सभी रूप देवताओं मनुष्य तथा भगवान शिव की इच्छा से ही प्रगट हुए हैं । उन्होंने कहा कि मनुष्य की आकांक्षाएं हमेशा बढ़ती है, जिसके कारण उसे दुख का सामना करना पड़ता है। असुर हमेशा महत्वकांक्षा के चलते जलन में ग्रस्त रहे, जिसके कारण सामाजिक व्यवस्था उथल पुथल हुई। उथल पुथल को खत्म करने के लिए ही देवी ने अवतार लिया। उन्होंने संकल्प करवाया कि वे अगर जीवन में सुखमय व्यतीत करना चाहते हैं तो उन्हें धार्मिक प्रवृत्ति धारण करनी होगी। उन्होंने कहा कि जो भी देवी भागवत कथा का श्रवण करता है उनका जीवन भव से पार हो जाता है जीवन सुखमय बन जाता है। इस मौके पर बाबा अर्भय गिरी जी महाराज जोगेन्दर राणा रमेश चंद श्याम राणा अनुराग शर्मा किशोरी लाल हीरालाल प्यारु राम सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे। मंदिर के महंत बाबा अभय गिरी जी महाराज ने बताया की कथा का समापन 9 जून को विशाल भंडारे के साथ किया जाएगा इस अवसर पर बड़ी संख्या में संत समाज भी उपस्थित रहेगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर आई बी एन पार्क में क्योरटेक ग्रुप द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

» प्रथम न्यूज । बद्दी

06 जून (गुरजीत सिंह)

क्योरटेक ग्रुप के एमडी सुमित सिंगला और बीबीएन पुलिस जिला के एसपी विनोद कुमार धीमान की ओर से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आईबीएन पार्क (एसपी रोड) में वृक्षारोपण किया गया तथा भविष्य में भी मिलकर बड़े स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाने का संकल्प लिया गया। साथ ही युवाओं को नशे के प्रति जागरूक करने के लिए सेमिनार आयोजित करने की भी घोषणा की गई। इस अवसर पर बीबीएन पुलिस जिला के एसपी विनोद कुमार धीमान ने कहा कि 5 जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस संयुक्त राष्ट्र (यू एन) द्वारा हमारे ग्रह की सुरक्षा के लिए वैश्विक स्तर पर जागरूकता और कार्रवाई को प्रेरित करने हेतु स्थापित किया गया था। पर्यावरण सभी जीवों के जीवन का आधार है, लेकिन आज यह जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और वनों की कटाई जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि पेड़ लगाना, पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) करना और पानी की बचत करना जैसे छोटे-छोटे दैनिक प्रयास भी बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

इस मौके पर सुमित सिंगला ने कहा कि आईबीएन पार्क के पास बन रही फॉरेंसिक लैब के आसपास के क्षेत्र का सौंदर्यीकरण किया जाएगा तथा क्योरटेक ग्रुप की ओर से पार्क का भी विकास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हर वर्ष यह अभियान दुनिया भर के लाखों लोगों को सतत (सस्टेनेबल) जीवनशैली अपनाने, पर्यावरण-अनुकूल व्यावसायिक मॉडल को बढ़ावा देने और क्षतिग्रस्त पारिस्थितिक तंत्रों को पुनर्जीवित करने के लिए एकजुट करता है। अंततः, विश्व पर्यावरण दिवस हमें प्रकृति के प्रति अपनी सोच और व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित करता है तथा यह सिद्ध करता है कि वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए पृथ्वी की रक्षा करने में सामूहिक प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

बिलासपुर में 2175 अभ्यर्थी देंगे राज्य पात्रता परीक्षा (सेट), 2026, परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी

बिलासपुर, (जितेंद्र गौतम)- अतिरिक्त उपायुक्त ओम कांत ठाकुर ने रविवार 7 जून को निर्धारित हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग, शिमला की निर्धारित राज्य पात्रता परीक्षा, 2026 के सफल संचालन के दृष्टिगत संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति, पेयजल, परिवहन तथा अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। अतिरिक्त उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए परीक्षा के सफल आयोजन के लिए निर्धारित दायित्वों का समयबद्ध निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि जिला बिलासपुर में सेट परीक्षा के लिए कुल 9 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां 2175 अभ्यर्थी परीक्षा में बैठेंगे। उन्होंने बताया कि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर में दो परीक्षा केंद्रों के अतिरिक्त राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (बाल) बिलासपुर, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (कन्या) बिलासपुर, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) बिलासपुर, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कोठीपुरा, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (बाल) घुमारवीं, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (कन्या) घुमारवीं तथा शिवा इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी को परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

बद्दी टेक्निकल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

» प्रथम न्यूज । बद्दी

06 जून (गुरजीत सिंह)

झाड़माजरी स्थित बद्दी टेक्निकल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (बीटीटीआई) में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशेष नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बद्दी अस्पताल से आए डॉक्टरों की टीम ने विद्यार्थियों को नशे के बढ़ते खतरे तथा उससे होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान डॉक्टरों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि नशीले पदार्थों का सेवन न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि उसके परिवार, समाज और भविष्य पर भी गंभीर नकारात्मक प्रभाव डालता है। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। डॉक्टरों ने यह भी बताया कि नशे की लत से बचाव के लिए आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच, खेलकूद तथा रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेना अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर बद्दी इंफ्रास्ट्रक्चर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीइओ) विजय के. अरोड़ा तथा बद्दी टेक्निकल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के प्रधानाचार्य जयदीप अग्रवाल भी उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि युवा देश का भविष्य है और उन्हें अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा, कौशल विकास और अच्छे संस्कारों के माध्यम से अपने जीवन को सफल बनाने के लिए प्रेरित किया।

संस्थान के समस्त शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने भी विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया तथा उन्हें जीवन में सही मार्ग चुनने की सलाह दी। सभी ने विद्यार्थियों को यह संदेश दिया कि नशा व्यक्ति की प्रतिभा, स्वास्थ्य और भविष्य को नुकसान पहुंचाता है, जबकि मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच सफलता की ओर ले जाते हैं। कार्यक्रम के दौरान डॉक्टरों की टीम ने विद्यार्थियों के साथ संवाद स्थापित करते हुए उनके प्रश्नों के उत्तर दिए और नशे से संबंधित विभिन्न भ्रांतियों को दूर किया। विद्यार्थियों ने भी कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया और नशा मुक्त समाज के निर्माण में अपना योगदान देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में संस्थान प्रबंधन ने बद्दी अस्पताल की डॉक्टरों की टीम का आभार व्यक्त किया। यह जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक रहा तथा सभी ने इसे युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सराहनीय पहल बताया।

मुख्यमंत्री ने समालखा के सेवा साधना एवं ग्राम विकास केंद्र के वार्षिक स्थापना दिवस पर बतौर मुख्य अतिथि लिया भाग

युवाओं से की अपील गांवों को आत्मनिर्भर, युवाओं को सक्षम और, किसानों को समृद्ध बनाएं

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

06 जून (मुकेश डोलिया)

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को समालखा, पानीपत के सेवा साधना एवं ग्राम विकास केंद्र के वार्षिक स्थापना दिवस पर बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए कहा कि यह वार्षिक स्थापना दिवस सेवा, साधना और समर्पण के उस विराट संकल्प का उत्सव है, जो समाज को नई दिशा देने का कार्य कर रहा है। उन्होंने सेवा साधना एवं ग्राम विकास केंद्र से जुड़े उन सभी लाखों परिवारों को बधाई देते हुए कहा कि, लोगों ने अपने श्रम, सहयोग, त्याग और समर्पण से इस महान प्रकल्प को आकार दिया है। जब समाज स्वयं अपने विकास का संकल्प लेता है, तब परिवर्तन केवल दिखाई नहीं देता, बल्कि पीढियों तक जारी रहता है।

उन्होंने कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में विकसित भारत का जो संकल्प देश ने लिया है, उसकी सबसे मजबूत नींव हमारे गांव ही हैं। विकसित भारत का मार्ग विकसित गांवों से होकर गुजरता है। यह केंद्र एक भवन या संस्था नहीं बल्कि, आत्मनिर्भर भारत का एक जीवंत मॉडल दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि यह हम सबके लिए गर्व का विषय है कि यह केंद्र आसपास के 100 गांवों के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। यह गांवों के भविष्य को संवारने का संकल्प है। यह प्रयास उन गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जहां शिक्षा, कौशल, कृषि, स्वास्थ्य, खेल, संस्कृति और रोजगार के सभी आयामों पर एक साथ कार्य किया जा रहा है। यह केंद्र सेवा, साधना और ग्राम विकास की त्रिवेणी के रूप में स्थापित किया गया है। सेवा वह शक्ति है, जो समाज को जोड़ती है। साधना वह ऊर्जा है, जो व्यक्ति को ऊंचाइयों तक पहुंचाती है और

ग्राम विकास वह माध्यम है, जो राष्ट्र निर्माण की नींव को मजबूत करता है। जब ये तीनों धाराएं एक साथ प्रवाहित होती हैं, तब समाज में विकास के साथ एक नई चेतना का जन्म भी होता है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कहा कि भारतीय संस्कृति हमें सदैव वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश देती आई है। हमारी परंपरा हमें सिखाती है कि संपूर्ण विश्व एक परिवार है। इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए, यह केंद्र एक भूमि, एक परिवार और एक भविष्य की अवधारणा पर काम कर रहा है। यह विचार भारतीय जीवन दर्शन का सार है। जब हम भूमि को माता मानते हैं। समाज को परिवार मानते हैं और भविष्य को साझा जिम्मेदारी मानते हैं, तभी सच्चे अर्थों में सतत विकास संभव हो पाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज विश्व तेजी से बदल रहा है। तकनीक, नवाचार और आधुनिकता के इस दौर में सबसे बड़ी आवश्यकता है कि हमारे युवाओं को समय की मांग के अनुसार कौशल प्रशिक्षण मिले। मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि यहां कौशल विकास केंद्र की स्थापना की गई है। इतना ही नहीं, इसके लिए श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के साथ कौशल प्रशिक्षण के लिए समझौता भी किया गया है। यह केंद्र हजारों युवाओं के सपनों को नई उड़ान देने का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा कहते हैं कि 21वीं सदी भारत के युवाओं की सदी है। यदि युवाओं को सही कौशल, सही अवसर और सही मार्गदर्शन मिल जाए, तो वे न केवल अपने परिवार की तकदीर बदल सकते हैं बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यह केंद्र युवाओं को रोजगार मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। यहां से निकलने वाले युवा आत्मविश्वास, ज्ञान और कौशल से परिपूर्ण होकर समाज में नई पहचान स्थापित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इस केंद्र में किसानों को प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आज पूरी दुनिया रसायन मुक्त खेती की ओर बढ़ रही है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत भी प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रहा है। हरियाणा सरकार भी इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। प्राकृतिक खेती केवल खेती की तकनीक नहीं है, बल्कि धरती माता के प्रति हमारा दायित्व भी है। इससे भूमि की उर्वरता बढ़ती है, जल संरक्षण होता है, पर्यावरण सुरक्षित रहता है और किसानों की लागत भी कम होती है। प्राकृतिक खेती करने वाले पात्र किसानों के लिए देसी गाय पर मिलने वाली सब्सिडी को बढ़ाकर 30 हजार रुपये कर दिया गया है। प्राकृतिक खेती में देसी गाय का विशेष महत्व है। जीवामृत, घनजीवामृत और अन्य प्राकृतिक इनपुट तैयार करने में देसी गाय महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसलिए प्रदेश सरकार ने यह निर्णय लिया है कि किसानों को आर्थिक सहायता देकर प्राकृतिक खेती की ओर प्रोत्साहित किया जाए। इसके अतिरिक्त, प्राकृतिक खेती में उपयोग होने वाले कच्चे माल के भंडारण और प्रसंस्करण के लिए चार ड्रम खरीदने हेतु प्रत्येक किसान को 3 हजार रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी। यह सहायता किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे के साथ-साथ खेती को अधिक व्यवस्थित बनाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए इस वित्त वर्ष के बजट में कई ठोस निर्णय लिये हैं। इसी दिशा में एपीडा प्रमाणित प्राकृतिक एवं जैविक किसानों को 5 वर्षों तक प्रति वर्ष 10 हजार रुपये प्रति एकड़ की वित्तीय सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। यह सहायता किसानों को प्राकृतिक खेती की ओर स्थायी रूप से प्रेरित करेगी और उनकी आय बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी। कृषि विभाग के स्वामित्व वाली लगभग 800 एकड़ भूमि केवल उन किसानों को पट्टे पर दी जाएगी जो अगले कम से कम 10 वर्षों तक वहां प्राकृतिक और जैविक खेती करेंगे। इसी प्रकार पंचायत भूमि पर भी प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए नई नीति तैयार की जा रही है। प्राकृतिक खेती का सबसे बड़ा लाभ तभी मिलेगा जब किसानों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य प्राप्त होगा। प्रदेश की 10 मंडियों में प्राकृतिक और जैविक किसानों के लिए विशेष स्थान उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके साथ-साथ परीक्षण प्रयोगशालाएं तथा एपीडा द्वारा मान्यता प्राप्त प्रमाणन केंद्र भी स्थापित किए जाएंगे, ताकि किसानों को अपनी उपज की गुणवत्ता प्रमाणित कराने और बेहतर बाजार प्राप्त करने में सुविधा मिल सके।

संक्षिप्त न्यूज

पंचकूला में व्यापारी की पीट-पीटकर हत्या, चार आरोपी गिरफ्तार

पंचकूला (पुनीत महाजन) पंचकूला में एक व्यापारी की पीट-पीटकर हत्या किए जाने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में पंचकूला पुलिस के डीसीपी क्राइम अमारिंदर सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान गिरफ्तारी की पुष्टि की। डीसीपी ने बताया कि आरोपियों ने व्यापारी को उसकी दुकान के बाहर एक स्कॉर्पियो वाहन से उतारकर लाठियों और डंडों से बेरहमी से पीटा था। गंभीर रूप से घायल व्यापारी को आसपास मौजूद लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस जांच के दौरान घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया, जिसके आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए चारों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है, जबकि मामले में शामिल अन्य संदिग्धों की तलाश जारी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक का संबंध चर्चित कबड्डी खिलाड़ी सोनू नोलता हत्याकांड से जुड़े लोगों से बताया जा रहा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतक कथित तौर पर उस मामले के कथित मास्टरमाइंड गोपाल सुखोमाजरा का करीबी मित्र था। इसी पुरानी रंजिश और आपसी विवाद को हत्या की संभावित वजह माना जा रहा है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि जांच अभी जारी है और हत्या के पीछे की साजिश, पुरानी दुश्मनी तथा अन्य संभावित कारणों को ध्यान में रखकर सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, मामले में आगे और गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं।

पंजाब में मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान तेज, सभी मतदान केंद्रों पर लगेंगे विशेष शिविर

चंडीगढ़, 6 जून (पुनीत महाजन) – पंजाब में चल रही विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया को लेकर भारत निर्वाचन आयोग पूरी तरह सक्रिय हो गया है। राज्य की मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनिंदिता मित्रा ने बताया कि अधिक से अधिक मतदाताओं की मैपिंग सुनिश्चित करने और मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर कल से विशेष दिवसीय शिविर आयोजित किए जाएंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से नए मतदाताओं का पंजीकरण, मतदाता सूची में नाम, पता अथवा अन्य विवरणों में संशोधन तथा पात्र नागरिकों को मतदाता सूची से जोड़ने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने सभी पात्र नागरिकों से अपील की कि वे अपने निकटतम मतदान केंद्र पर पहुंचकर अपने मतदाता संबंधी विवरणों की जांच करें और आवश्यक संशोधन करवाएं।

अनिंदिता मित्रा ने बताया कि निर्वाचन आयोग का लक्ष्य अधिकतम मतदाताओं की मैपिंग कर मतदाता सूची को पूर्णत: अद्यतन और पारदर्शी बनाना है, ताकि आगामी चुनावों में प्रत्येक पात्र नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। उन्होंने सभी बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ), निर्वाचन अधिकारियों और संबंधित कर्मचारियों को पुनरीक्षण प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए पूरी तत्परता से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पंजाब के नागरिकों से आग्रह किया गया है कि वे विशेष शिविरों में भाग लेकर अपने मतदाता विवरणों का सत्यापन अवश्य कराएं और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सशक्त बनाने में योगदान दें।

डीएलएसए द्वारा विभिन्न गांवों में स्थापित किए गए लीगल सर्विसेज क्लीनिक : नीतिका भारद्वाज

कुरुक्षेत्र 6 जून(बृज मोहन) जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज के दिशानिर्देशानुसार कुरुक्षेत्र के विभिन्न गांवों में लीगल सर्विसेज क्लीनिक स्थापित किए गए हैं।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इन क्लीनिकों में ब्लॉक लाडवा के गांव मेहरा में लक्ष्मण चौपाल, थानेसर ब्लॉक के गांव फतुहपुर के कम्युनिटी सेंटर में, ब्लॉक इस्माइलाबाद के गांव झांसा के सरपंच कार्यालय में, ब्लॉक बाबैन के गांव बेरथला के ग्राम सचिवालय में, पिपली ब्लॉक के गांव बिहोली के ग्राम सचिवालय में, ब्लॉक लाडवा के गांव गुढ़ा के पंचायत घर में, थानोसर ब्लॉक के गांव धुराला के राजीव गांधी सेवा केंद्र में तथा गांव ज्योतिसर के सरपंच कार्यालय में , शाहबाद के गांव शरीफगढ़ के पंचायत घर में लीगल सर्विसेज क्लीनिक संचालित हैं। उन्होंने कहा कि इन क्लीनिकों में प्रत्येक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरा लीगल वॉलंटियर्स द्वारा आसपास के गांवों में आमजन को नालसा , हालसा की विभिन्न योजनाओं, अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रदान की जाने वाली निःशुल्क कानूनी सहायता , नालसा हैल्पलाईन नंबर 15100, व लीगल सर्विसेज क्लीनिक के बारे में जानकारी दी जाती है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक रविवार को दोपहर 3 बजे से सायं 6 बजे तक पैनल अधिवक्ता इन निर्धारित स्थानों पर बैठकर ग्रामीणों को कानूनी परामर्श एवं आवश्यक जानकारी प्रदान करते हैं। उन्होंन कहा कि यदि किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की कानूनी जानकारी या सहायता की आवश्यकता हो, तो वह प्रत्येक रविवार को इन लीगल सर्विसेज क्लीनिकों में उपस्थित पैनल अधिवक्ताओं एवं पीएलवीज से संपर्क कर सकता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों पर विश्वास करते हुए पश्चिमी बंगाल की जनता ने खिलाया कमल : नायब सिंह सैनी

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र

06 जून (बृज मोहन)

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पश्चिमी बंगाल में पहले कम्युनिस्ट पार्टी और ममता बनर्जी की पार्टी ने प्रदेश का शोषण किया है। अब पश्चिमी बंगाल की जनता ने नरेन्द्र मोदी की नीतियों पर विश्वास करते हुए वहां पर कमल खिलाया है। अब तक की पार्टियों ने जिस नीति से पश्चिमी बंगाल में राज किया उससे युवाओं का रोजगार खत्म किया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी लाडवा को अग्रसेन चौक पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने पश्चिमी बंगाल में हुई भाजपा की प्रचंड जीत पर जलेबी बांटकर कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं दी। इस दौरान हरियाणा राज्य बाल कल्याण की उपाध्यक्षा सुमन सैनी, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरे देश में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास नीति के तहत काम किया है। जिसके परिणामस्वरूप लगातार भारतीय जनता पार्टी जनता का विश्वास जीत रही है। भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार केंद्र में और हरियाणा प्रदेश में सत्ता प्राप्त की है। भारतीय जनता पार्टी की नीति अन्तोदय की रही है।

जिसमें अंतिम छोर पर खडे व्यक्ति का विकास करना प्राथमिकता है। इस मौके पर मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी, मीडिया कोऑर्डिनेटर तुषार सैनी, चेयरपर्सन कंवलजीत कौर, चेयरमैन डॉ. गणेश दत्त, चेयरपर्सन साक्षी खुराना, मंडल अध्यक्ष शिव गुप्ता, मंडल अध्यक्ष विकास शर्मा, मंडल अध्यक्ष अमरेंद्र सिंह, पूनम सैनी, सन्नी कालड़ा, नायब सिंह पटाक माजरा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

सावधान! अब आरटीओ चालान के नाम पर ठग रहे जालसाज

मोबाइल पर एपीके फाइल भेजकर करते है ठगी

कैथल, 06 जून (कृष्ण गर्ग)– जिला पुलिस अधीक्षक कैथल मनप्रीत सिंह सूदन ने आमजन को साइबर अपराध से सचेत करते हुए बताया कि साइबर ठगों ने अब ठगी का नया तरीका इजाद किया है। जालसाज खुद को आरटीओ अधिकारी बताकर लोगों को व्हाट्सऐप पर ट्रैफिक चालान के नाम पर एक एपीके फाइल भेज रहे हैं। जैसे ही कोई व्यक्ति इस फाइल को डाउनलोड और ओपन करता है तो उसका मोबाइल फोन हैक हो जाता है, जिससे ठग बैंकिंग डिटेल्स, व्यक्तिगत जानकारियां और ओटीपी आदि तक पहुंच बना लेते हैं और आर्थिक नुकसान पहुंचाते हैं। ठग व्हाट्सएप्प को हैक करके आपके निजी सभी व्हाट्सप्प ग्रुप में भी वह एपीके फाइल डाल देते है, ताकि और लोग उस फाइल को डाउनलोड करें तथा उनको ठगी के लिए नया शिकार ढूंढ सके।

एसपी मनप्रीत सिंह सूदन ने कहा कि पुलिस लगातार ऐसे मामलों पर नजर बनाए हुए है, लेकिन आमजन की सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव है। उन्होंने नागरिकों को जागरूक करते हुए निम्न हिदायत दी –

किसी भी अनजान लिंक या एपीके फाइल को फोन में डाउनलोड न करें। व्हाट्सएप या अन्य सोशल मीडिया पर आए चालान संबंधी संदेशों पर विश्वास न करें। आरटीओ चालान केवल सरकार की आधिकारिक पोर्टल/वेबसाइट या एम परिवहन और ई चालान जैसे अधिकृत ऐप पर ही देखें।

अगर आपने फाइल डाउनलोड कर ली है तो सबसे पहले अपने फोन का नेट बंद करें। उसके बाद उस ऐप को ढूंढकर डिलीट करें। एसपी ने कहा की किसी भी संदिग्ध कॉल, मैसेज या लिंक की सूचना तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 या नजदीकी थाना/साइबर पुलिस स्टेशन पर दें। जिला पुलिस अधीक्षक ने अपील की कि नागरिक सतर्क और जागरूक रहकर ही साइबर ठगी से स्वयं को और अपने परिवार को सुरक्षित रख सकते हैं।

संगमेश्वर महादेव मंदिर अरूणाय जैसे पवित्र स्थल समाज में आध्यात्मिक चेतना और सामाजिक समरसता का प्रतीक

पिहोवा, 6 जून (मुकेश डोलिया) हरियाणा सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी ने आज गांव अरुणाय स्थित श्री संगमेश्वर महादेव मंदिर में पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक पूजन किया। मंदिर सेवादल के प्रबंधक भूषण गौतम ने बताया कि महंत विश्वनाथ गिरी के सानिध्य में पंडित सतीश शास्त्री ने पूजा करवाई। इस अवसर पर मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं में धार्मिक स्थलों का विशेष महत्व है। संगमेश्वर महादेव मंदिर अरूणाय जैसे पवित्र स्थान समाज में आध्यात्मिक चेतना और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का कार्य करते हैं। मंदिर से उनका और मुख्यमंत्री नायब सैनी का विशेष लगाव है। श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी के सचिव एवं अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी का उन पर विशेष आशीर्वाद रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण एवं विकास के लिए प्रतिबद्ध है। धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण और संवर्धन के लिए भी निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में संगमेश्वर महादेव मंदिर के रास्ते को भी करोड़ों रुपए लगाकर फोरलेन किया जा रहा है। मंत्री के साथ उनके पुत्र गौरव बेदी भी मौजूद रहे। जिन्होंने पूजन में हिस्सा लिया। सेवादल के प्रबंधक भूषण गौतम ने बताया कि महंत विश्वनाथ गिरी ने मंत्री कृष्ण बेदी को मंदिर द्वारा संचालित व्यवस्था के बारे में बताते हुए उन्हें प्रसाद देकर आशीर्वाद दिया।

असला अमुनेशन सप्लाई करने के मामले में स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट द्वारा आरोपी गिरफ्तार, 4 दिन पुलिस रिमांड हासिल

कैथल, 06 जून(कृष्ण गर्ग)–अवैध असला–अमुनेशन सप्लाई करने वाले अपराधियों पर एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के आदेशानुसार शिकंजा कसते हुए स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट द्वारा एक असला सप्लायर को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि अवैध असला–अमुनेशन बरामदगी के एक मामले की आगामी जांच स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट द्वारा इंस्पेक्टर सुनील कुमार की अगुवाई में एचसी देवेंद्र सिंह की टीम द्वारा करते हुए आरोपी गांव काकौत निवासी सन्नी उर्फ बबल को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 6 मार्च को स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट के एचसी हरीश कुमार की टीम द्वारा एक गुप्त सूचना के आधार पर गांव बाता से बालू रोड पर रजबाहा पुलिया के पास दबिश देकर आरोपी गांव पाई निवासी नरेश उर्फ फिकर को काबू किया गया था। आरोपी नरेश के कब्जे से 1 देशी पिस्तौल व 4 जिंदा रौंद बरामद हुए थे। जिस बारे थाना कलायत में मामला दर्ज किया गया था। आरोपी नरेश से पूछताछ उपरांत खुलासा हुआ था कि उसको यह असला अमुनेशन गांव सांपली खेड़ी निवासी नरसिंह उर्फ दिपु द्वारा उपलब्ध करवाया गया था। एचसी देवेंद्र की टीम द्वारा तत्पर कार्रवाई करते हुए आरोपी नरसिंह को भी काबू कर लिया गया।

आगामी जांच में सामने आया कि आरोपी गांव सांपली खेड़ी निवासी नरसिंह उर्फ दिपु को यह असला उपरोक्त आरोपी सन्नी उर्फ बबल ने उपलब्ध करवाया था जिसको काबू कर लिया गया। आरोपी से व्यापक पूछताछ के लिए अदालत से 4 दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया गया हैं।

समाधान शिविर सरकार के सुशासन के संकल्प को जमीनी स्तर पर उतारने का एक प्रभावी माध्यम : विवेक आर्य

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र

06 जून (बृज मोहन)

अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य ने कहा कि समाधान शिविर सरकार के सुशासन के संकल्प को जमीनी स्तर पर उतारने का एक प्रभावी माध्यम है। सभी विभागाध्यक्ष सुनिश्चित करें कि प्रत्येक शिकायत को निर्धारित समय-सीमा के अंदर निपटान करना सुनिर्श्चित करे। गुणवत्तापूर्ण एटीआर पोर्टल पर अपलोड की जाए ताकि वह शिकायत दोबारा से न खुले। जिन शिकायतों का समाधान संभव नहीं है, उन्हें रिजेक्ट की श्रेणी में डाले।

अतिरिक्त उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित किए गए समाधान शिविर में आमजन की समस्याओं को सुन रहे थे। इससे पहले अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य, डीआरओ चेतना चौधरी ने क्रिड व अन्य विभागों की समस्याओं को सुना और उनका समाधान करने के लिए सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को कुछ आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविरों के माध्यम से प्राप्त होने वाली सभी शिकायतों को अधिकारी गंभीरता से लें। शिविर में प्राप्त शिकायतों का निपटारा प्राथमिकता के आधार पर किया जाए ताकि लोगों को बार-बार दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें। इसके साथ-साथ जो भी शिकायतें प्राप्त होती हैं, उन्हें पोर्टल पर अपलोड करे। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें।

एडीसी विवेक आर्य ने कहा कि जिन विभागों की शिकायतें लंबित पड़ी हुई है, उनका जल्द समाधान करते हुए आमजन को राहत प्रदान करें। समाधान शिविर जनसेवा का सशक्त माध्यम है। इसका मुख्य उद्देश्य सरकारी सेवाओं से जुड़ी बाधाओं को दूर करना और जनता की शिकायतों का मौके पर ही निपटान करना है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय व उपमंडल स्तर पर सोमवार और वीरवार को प्रात: 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में बिजली, पानी, परिवार पहचान पत्र, बुढ़ापा पेंशन एवं अन्य संबंधित शिकायतों का मौके पर समाधान किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे निर्धारित दिनों में शिविर में पहुंचकर समस्याओं का समाधान करवाएं। इस अवसर पर डीआरओ चेतना चौधरी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

1 अवैध रिवाल्वर, 4 जिंदा कारतूस व 6.75 ग्राम अवैध मादक पदार्थ हेरोईन बरामद, 2 आरोपी गिरफ्तार

चंडीगढ़ (पुनीत महाजन)– श्री गंगानगर जिले की रावला व पुरानी आबादी पुलिस ने कार्यवाही करते हुए 1 अवैध रिवाल्वर, 4 जिंदा कारतूस व 6.75 ग्राम अवैध मादक पदार्थ हेरोईन बरामद,2 आरोपियों को गिरफतार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक हरी शंकर ने दी जानकारी की

पुलिस थाना रावला बलवंतराम पुनि. थानाधिकारी पुलिस थाना रावला के नेतृत्व में गिरधारी सिह उनि. ने मय थाना स्टाफ के दौराने गश्त रिको एरिया रावला से आरोपी सौरभ उर्फ गिरधारी पुत्र रोशनलाल उम्र 19 साल निवासी वार्ड नम्बर 05, रावला मण्डी के कब्जे से 06.75 ग्राम अवैध मादक पदार्थ हेरोईन (चिट्टा) बरामद कर आरोपी को गिरफतार किया, जिस पर पुलिस थाना रावला में आरोपी के खिलाफ मुकदमा नंबर 121/2026 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट में दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान मीठालाल उनि. पुलिस थाना नई मण्डी घड़साना के सुपुर्द किया गया है। आरोपी से प्रकरण मे अनुसंधान जारी है। वहीं पुलिस थाना पुरानी आबादी रमेश पुनि. थानाधिकारी पुलिस थाना पुरानी आबादी के नेतृत्व मे छिन्द्रपाल सिंह सउनि. ने मय थाना स्टाफ मल्टीपर्पज स्कुल ग्राउण्ड पुरानी आबादी श्रीगंगानगर से आरोपी संजय कुमार पुत्र मनोज कुमार उम्र 34 साल निवासी खटीक मोहल्ला पुरानी आबादी जिला श्रीगंगानगर हाल किरायेदार रमेश चौक के पास के कब्जे से 1 अवैध रिवाल्वर मय 4 जिन्दा कारतूस अनुमानित 0.32 के बरामद कर आरोपी को गिरफतार किया, जिस पर पुलिस थाना पुरानी आबादी में आरोपी के खिलाफ मुकदमा नंबर 135/2026 धारा 3/25, (1-बी) (ए) आर्म्स एक्ट में दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान धर्मपाल सउनि. के सुपुर्द किया गया है।

आज का संपादकीय

अवैध और अनियोजित निर्माण की बीमारी

देश की राजधानी में कुछ दिनों पहले अवैध रूप से बन रही एक इमारत गिरी, जिसमें छह लोगों की मृत्यु हो गई। इसके बाद अवैध तरीके से बनाए और संचालित किए जा रहे एक होटल में आग लगने से 21 लोगों की मौत हो गई। अपने देश में सरकारी तंत्र और अवैध निर्माण करने वालों की मिलीभगत से इस तरह की घटनाओं में जिस तरह जान-माल का नुकसान होता है, उसकी मिसाल मिलना बहुत मुश्किल है।

यह सिलसिला पिछले कई दशकों से चला आ रहा है, पर सुधार की कोई गुंजाइश नहीं दिखती। राजधानी सहित पूरे देश में नगर निकायों के नाकारापन से लोग अवैध तरीके से घर, होटल आदि बनाते रहते हैं। जब मानकों की अनदेखी करके अवैध-अनियोजित निर्माण होते हैं तो उनके गिरने के साथ-साथ अथवा उनमें सुरक्षा मानकों की अवहेलना के कारण आग लगने की घटनाएं होना स्वाभाविक है।

ज्यादातर मामलों में अवैध निर्माण कराने वाले अपनी कोई नैतिक जिम्मेदारी समझते नहीं। इसलिए और भी नहीं, क्योंकि उन्हें कानून का डर नहीं। अपने देश में नियम-कानूनों की जैसी अनदेखी होती है, वह शायद ही कहीं और देखने को मिलती हो। देश में नियम-कानूनों के साथ अनुशासन और जिम्मेदारी का परिचय देने से भी इन्कार किया जाता है। औसत लोग एक नागरिक की अपनी जिम्मेदारी समझने को तैयार नहीं होते, वही स्थिति सरकारी तंत्र के लोगों की भी है। नगर निकायों और शहरीकरण की निगरानी एवं नियमन करने वाले अधिकारियों का हाल शायद सबसे बुरा है। वे तमाम लापरवाही और भ्रष्टाचार के बाद भी ऐसी सजा नहीं पाते, जो नजीर बन सके। नगर निकायों की लापरवाही के चलते अनियोजित निर्माण केवल शहरों के पुराने इलाकों के साथ उन ग्रामीण क्षेत्रों में ही नहीं हो रहा है, जो समय के साथ शहरीकरण के दायरे में आ गए। अब तो यह विकास प्राधिकरणों की ओर से बसाए गए नए इलाकों में भी हो रहा है। कहीं लोग घरों को तोड़कर फ्लैट बना रहे हैं तो कहीं दुकानें और अन्य व्यासायिक भवन। ऐसे निर्माण में भवन निर्माण संबंधी मानकों के साथ सुरक्षा उपायों और खासकर आग से बचाव के उपायों की परवाह नहीं की जाती। जब शहरों के पुराने या फिर ग्रामीण इलाकों में जर्जर भवनों में अतिरिक्त अवैध निर्माण होता है तो उनके गिरने का खतरा अधिक रहता है। आम तौर पर जब यह अवैध निर्माण हो रहा होता है तो उसे रोकने के लिए जिम्मेदार नगर निकायों के अधिकारी-कर्मचारी कोई कदम नहीं उठाते। ज्यादातर मामलों में वे पैसे लेकर अवैध निर्माण होने देते हैं। वे इसकी चिंता नहीं करते कि इससे क्षेत्र विशेष में आबादी का दबाव बढ़ेगा अथवा व्यावसायिक गतिविधियां संचालित होने से भीड़-भाड़ और प्रदूषण के साथ गंदगी बढ़ेगी तथा नागरिक सुविधाओं का अभाव बढ़ेगा।

कहने को तो शहरीकरण को लेकर हर तरह के नियम-कानून बने हुए हैं, लेकिन उनका उल्लंघन ही अधिक होता है। इस उल्लंघन का एक बड़ा कारण नगर निकायों के जनप्रतिनिधियों के साथ अन्य नेताओं की ओर से केवल अपने वोट बैंक को प्राथमिकता देना है। कई बार तो वे खुद ही अवैध निर्माण में सहयोग करते हैं और इसकी भी कोशिश करते हैं कि अवैध रूप से बसाई गईं बस्तियों का नियमितीकरण कर दिया जाए। सरकारें भी वोट बैंक के लोभ में ऐसा कर देती हैं। जब ऐसा होता है तो ऐसी बस्तियों में और अधिक अवैध निर्माण एवं अतिक्रमण होने लगता है। आज कोई भी राजनीतिक दल अवैध-अनियोजित निर्माण को रोकने के लिए गंभीर नहीं। इसी कारण शहरों की सूरत बिगड़ती जा रही है और उनमें नागरिक सुविधाओं का अभाव बढ़ रहा है। चूंकि रिहायशी अथवा व्यावसायिक इमारतों में अवैध निर्माण के बाद भी सरकारी एजेंसियां कोई ठोस कार्रवाई नहीं करतीं, इसलिए उनके गिरने या उनमें आग लगने की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। दिल्ली में ही पिछले कुछ माह में घरों, होटलों और कारखानों में आग लगने के कारण मरने और घायल होने वालों की संख्या बढ़ी है।

एक आंकड़े के अनुसार बीते पांच माह में दिल्ली में आग लगने की अलग-अलग घटनाओं में करीब 45 लोगों की जान गई है। अनेक घटनाओं में यह भी सामने आया कि कोई भवन गिरने या आग लगने पर बचाव कर्मियों को अतिक्रमण के चलते घटनास्थल पर पहुंचने में देरी हुई।

भोजन की बर्बादी मत करो - हर दाने की कद्र करो

कैसी विडंबना है कि कोई एक निवाले को तरस रहा है और कोई भोजन को फेंक रहा है। आत्मा सिहर जाती है। भूख का कोई धर्म नहीं होता।

भूख सिर्फ भूख होती है। वह पेट में आग लगाती है, और उस आग को न सोना बुझा सकता है, न नाम, न पहचान। जिसने भूख झेली है वही जानता है कि एक सूखी रोटी भी उस वक्त अमृत लगती है। और हम, जिनकी थाली भरी है, स्वाद बदलने के लिए खाना छोड़ देते हैं। एक तरफ बच्चा कूड़े के ढेर में रोटी का टुकड़ा ढूंढ रहा है, दूसरी तरफ शादी-भोज में सैकड़ों किलो खाना कचरे में चला जाता है, बिना किसी को पल भर भी दुख हुए।

भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं है। यह जीवन की धुरी है, संस्कारों का प्रतीक है, प्रकृति और मनुष्य के बीच का वह बंधन है जो दोनों को जोड़ता है। जब हम थाली में बचा हुआ खाना फेंक देते हैं तो हमें लगता है कि हमने बस एक निवाला बर्बाद किया है। पर सच्चाई यह है कि उस एक निवाले के साथ हम किसान की मेहनत, माँ की जागी हुई रातें, धरती का ऋण और किसी भूखे की प्रार्थना भी फेंक देते हैं।

गाँव के खेत में जाकर देखो। किसान सुबह अंधेरे से पहले उठकर खेत की ओर चल देता है। उसके हाथों में हल है, आँखों में उम्मीद है। वह धूप में झुलसता है, बारिश में भीगता है, सर्द रातों में खेत की रखवाली करता है। महीनों तक वह अपनी नींद, अपना आराम, अपना शरीर सब कुछ मिट्टी को समर्पित कर देता है। जब फसल तैयार होती है तो उसके चेहरे पर जो चमक आती है वह किसी धन से कम नहीं होती। वह अनाज मंडी में नहीं बेचता, वह अपना जीवन बेचता है।

वह अनाज जब तुम्हारी थाली तक पहुँचता है तो उसके पीछे केवल किसान का श्रम नहीं होता। माँ घंटों रसोई में खड़ी रहती है। वह जानती है कि तुम्हें क्या पसंद है, कितना तीखा खाते हो, कितना नमक ठीक लगता है। वह अपने हिस्से का आराम छोड़कर तुम्हारे लिए रोटी सेंकती है। धरती अपनी छाती चीरकर बीज को अंकुरित करती है। पानी, हवा, सूरज सब मिलकर उस एक दाने को तैयार करते हैं।

जब तुम वह दाना फेंक देते हो तो तुम्हें लगता है कि यह छोटी बात है। पर सोचो, यदि हर घर में एक निवाला रोज फेंका जाए तो एक दिन में कितना अनाज नष्ट होगा। एक महीने में कितने लोगों का पेट भरा जा सकता था। शहरों के होटल, शादी-विवाह, भोज-भंडारे में तो यह बर्बादी और भी बड़ी हो जाती है। सजे हुए टेबल पर आधा खाया हुआ खाना कूड़ेदान की शोभा बढ़ाता है। लोग कहते हैं पैसा दिया है तो जो मर्जी करेंगे। पर पैसा अन्न नहीं बना सकता। पैसा किसान का पसीना नहीं खरीद सकता। पैसा माँ की ममता का मोल नहीं चुका सकता।

समाज का दूसरा चेहरा भी देखो। जहाँ एक तरफ थाली में खाना बचता है, वहीं दूसरी तरफ लोग भूखे सोते हैं। जहाँ एक तरफ लोग स्वाद बदलने के लिए खाना छोड़ देते हैं, वहीं दूसरी तरफ लोग भूख मिटाने के लिए पानी पीकर सो जाते हैं। यह विरोधाभास ही सबसे बड़ी पीड़ा है।

हम भूल जाते हैं कि समय सदा एक सा नहीं रहता। आज थाली भरी है तो बर्बादी आसान लगती है। पर जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। बीमारी आती है, रोजगार छिन जाता है, प्राकृतिक आपदा आती है। उस समय वही बचा हुआ दाना सबसे कीमती हो जाता है। बुजुर्ग कहते थे कि अन्न का अपमान मत करो, नहीं तो एक दिन दाने दाने को तरसोगे। यह कोई डराने की बात नहीं है। यह अनुभव का निचोड़ है। इतिहास गवाह है कि जिन समाजों ने अन्न का आदर किया वे समृद्ध हुए। जिन्होंने इसे तुच्छ समझा वे समय की मार में बिखर गए।

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

भोजन का अपमान केवल अन्न का अपमान नहीं है। यह संस्कारों का क्षरण है। जब हम भोजन फेंकते हैं तो भीतर की कृतज्ञता मर जाती है। और जहाँ कृतज्ञता मरती है वहाँ संतोष नहीं ठहरता। फिर हम लाखों कमाकर भी अतृप्त रहते हैं। हमें हमेशा लगता है कि कुछ कम है। जबकि सच यह है कि हमारे पास बहुत है, पर हम उसे देखने की दृष्टि खो चुके हैं। हर दाने की कद्र करने के लिए बड़ी-बड़ी बातें करने की जरूरत नहीं है। छोटी-छोटी आदतें ही काफी हैं। जितनी भूख हो उतना ही खाना परोसो। थाली में उतना ही लो जितना खा सको। यदि गलती से ज्यादा ले लिया और बच गया तो उसे फेंको मत। किसी जरूरतमंद तक पहुँचा दो। आज शहरों में कई संस्थाएँ हैं जो बचा हुआ खाना इकट्ठा करके गरीबों तक पहुँचाती हैं। एक फोन पर वे आकर खाना ले जाती हैं। बस थोड़ी सी जागरूकता चाहिए।

बच्चों को बचपन से सिखाना होगा कि थाली में अन्न छोड़ना शरारत नहीं है। यह अपमान है। उन्हें खेत में ले जाओ, किसान की मेहनत दिखाओ। उन्हें बताओ कि यह चावल का दाना कैसे बना है। जब बच्चा जान लेगा कि हर निवाले के पीछे कितना श्रम है तो वह खुद थाली साफ कर देगा। संस्कार किताबों से नहीं, उदाहरण से आते हैं। यदि घर में बड़े खुद थाली में खाना छोड़ेंगे तो बच्चे भी वही सीखेंगे। भोजन करते समय एक क्षण रुककर धन्यवाद देना भी कद्र का हिस्सा है। वह धन्यवाद ईश्वर को हो सकता है, किसान को हो सकता है, माँ को हो सकता है। यह एक क्षण का ठहराव मन को बदल देता है। जब मन बदलता है तो आदतें बदलती हैं। जब आदतें बदलती हैं तो समाज बदलता है। कई बार लोग कहते हैं कि हमारे पास पैसा है तो हम जितना चाहें खाना फेंक सकते हैं। यह सोच सबसे खतरनाक है। पैसा अन्न का विकल्प नहीं हो सकता। पैसा थकान नहीं मिटा सकता। पैसा धरती की उर्वरता नहीं लौटा सकता। अन्न का संबंध केवल अर्थ से नहीं है, यह भाव से जुड़ा है। जो व्यक्ति एक रोटी की कीमत समझता है वही जीवन की हर छोटी चीज़ का सम्मान करना सीखता है।

गाँवों में आज भी लोग जूठन को गाय को खिला देते हैं, या खाद बना देते हैं। शहरों में यह संभव नहीं है तो कम से कम फेंको मत। यदि खा नहीं सकते तो किसी को दे दो। कई बार हम शर्म के मारे बचा हुआ खाना मेहमान को नहीं दे पाते। पर याद रखो, भूखे को वह खाना मेहमान के स्वागत से बड़ा लगता है।

अन्न का सम्मान करने वाला व्यक्ति कभी घमंडी नहीं होता। वह जानता है कि जो कुछ भी उसके पास है वह उसकी मेहनत के साथ-साथ प्रकृति और समाज की देन है। इसलिए वह विनम्र होता है, दयालु होता है, कृतज्ञ होता है। और यही गुण मनुष्य को मनुष्य बनाते हैं।

आज जब तुम खाना खाओ तो एक बार थाली की ओर देखो। सोचो कि यदि यह दाना न होता तो क्या होता। सोचो कि यदि किसान ने मेहनत न की होती तो क्या होता। सोचो कि यदि माँ ने रात भर जागकर रोटी न सेंकी होती तो क्या होता। यह सोच ही तुम्हें रोक देगी कि तुम एक भी दाना फेंको।

भोजन की बर्बादी रोकना कोई बड़ा आंदोलन नहीं है। यह घर से शुरू होता है। थाली से शुरू होता है। मन से शुरू होता है। जब घर का हर सदस्य यह संकल्प ले कि एक भी दाना बर्बाद नहीं होगा तो समाज अपने आप बदल जाएगा। याद रखो, जो अन्न का आदर करता है प्रकृति उसका आदर करती है। जो अन्न फेंकता है समय उसे एक दिन खाली थाली का पाठ पढ़ा देता है। आज तुम्हारी थाली भरी है तो इसे आशीर्वाद समझो। और उस आशीर्वाद को सम्मान दो।

अगली बार जब खाने बैठो तो थाली में पड़े हर दाने को देखो। उसमें किसान की पीठ का पसीना दिखेगा, माँ की आँखों की थकान दिखेगी, धरती की करुणा दिखेगी। और तब तुम खुद से कहोगे कि नहीं, मैं इसे नहीं फेंकूँगा।

क्योंकि जो आज थाली में बचता है, वही कल किसी की प्रार्थना बन सकता है। और जो आज फेंका जाता है, वही कल माँगा जाता है।

योग्यता पर प्रहार, भविष्य पर वार

भारत में पेपर लीक की निरंतर बढ़ती घटनाएं केवल प्रशासनिक विफलता या वित्तीय भ्रष्टाचार का मामला नहीं है बल्कि यह देश के भविष्य के साथ होने वाला एक गंभीर क्रूर मज़ाक है। एक अदद सरकारी नौकरी या प्रतिष्ठित संस्थान में दाखिले के लिए दिन-रात एक करने वाले करोड़ों विद्यार्थियों के लिए यह स्थिति एक मानसिक विभीषिका जैसी है। हर साल लाखों युवाओं की उम्मीदें, उनके माता-पिता की गाढ़ी कमाई और सालों की तपस्या एक झटके में पेपर लीक के काले बाज़ार की भेंट चढ़ जाती है।

-डॉ. पवन कुमार शर्मा,
स्वतंत्र टिप्पणीकार

एक सुरक्षित परीक्षा प्रणाली का ढांचा तीन स्तंभों पर टिकता है- गोपनीयता, सत्यनिष्ठा और उपलब्धता। पेपर लीक की घटनाएं दर्शाती हैं कि हमारे तंत्र में इन तीनों ही स्तरों पर गंभीर कमियां हैं। प्रश्नपत्र तैयार होने से लेकर प्रिंटिंग प्रेस, लॉजिस्टिक्स (परिवहन) और परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के बीच कई ऐसे लीक प्वाइंटस होते हैं जहां सुरक्षा बेहद कमज़ोर है। स्थानीय स्तर पर अधिकारियों या निजी एजेंसियों की मिलीभगत से प्रश्नपत्र सोशल मीडिया पर तैरने लगते हैं। दूसरा पेपर लीक मामले में मज़बूत कानून और त्वरित न्याय का अभाव है। राज्य स्तर के कानून इतने लचर हैं कि दोषी कुछ ही दिनों में ज़मानत पर बाहर आ जाते हैं और दोबारा इसी धंधे में लग जाते हैं। त्वरित और कठोर सज़ा न होना अपराधियों के हौसले बढ़ाता है। तीसरा परीक्षा लेने वाली एजेंसियों की निजी केंद्रों और आउटसोर्सिंग पर अत्यधिक निर्भरता भी इसका बड़ा कारण है। परीक्षा कराने वाली नोडल एजेंसियों में भी कर्मचारियों की भारी कमी है जिससे वे बाहरी वेंडर्स पर निर्भर हो जाती हैं।

मनोविज्ञान के नजरिए से देखें तो परीक्षा की तैयारी का दौर अपने आप में एक उच्च-तनाव की अवधि होती है। जब इस तनाव के बीच पेपर लीक या परीक्षा रद्द होने की खबर आती है तो विद्यार्थी का मानसिक संतुलन बुरी तरह डगमगा जाता है। नीट पेपर लीक के बाद देशभर के राज्यों में जिस तरह से युवा-युवतियों के आत्महत्या करने की घटनाएं सामने आईं, वे मानसिक असंतुलन और दबाव का ही परिणाम हैं।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र महीनों, सालों तक क्रॉनिक स्ट्रेस यानी लगातार बने रहने वाले तनाव से गुज़रते हैं। जब परीक्षा का परिणाम आने के बजाय परीक्षा ही रद्द हो जाती है तो छात्र बर्नआउट की स्थिति में पहुंच जाते हैं। बर्नआउट का अर्थ है मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक रूप से पूरी तरह टूट जाना जिसके बाद दोबारा ऊर्जा जुटाना असंभव सा लगने लगता है। मनोविज्ञान में मार्टिन सेलिगमैन का लर्नड हेल्पलेसनेस का सिद्धांत यहां सटीक बैठता है। जब छात्रों को लगता है कि उनकी कड़ी मेहनत, बुद्धिमत्ता और प्रयासों का परीक्षा के परिणाम से कोई लेना-देना नहीं है क्योंकि अंततः पेपर तो पैसे वाले ही खरीद लेंगे तो वे मान लेते हैं कि परिस्थितियां उनके नियंत्रण से बाहर हैं। यह सोच उन्हें गहरे डिप्रेशन की ओर धकेलती है और वे प्रयास करना ही छोड़ देते हैं।

भारत में युवाओं की पहचान अकसर इस बात से भी तय होती है कि वे किस परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं या वे क्या बनते हैं। पेपर लीक होने पर जब सालों की मेहनत शून्य हो जाती है तो छात्रों में आईडेंटिटी क्राइसिस पैदा होता है। इसके साथ ही रिश्तेदारों और समाज के ताने, 'इतने साल से क्या कर रहे हो?' जैसी बातें उनके आत्मसम्मान को पूरी तरह नष्ट कर देती हैं। यही कारण है कि कोटा से लेकर प्रयागराज तक, छात्रों में आत्महत्या की प्रवृत्ति डराने वाले स्तर तक बढ़ गई है।

पेपर लीक होने पर सरकारें अकसर परीक्षा रद्द करके %दोबारा परीक्षा% की घोषणा कर देती हैं। प्रशासनिक रूप से यह एक समाधान लग सकता है लेकिन एक विद्यार्थी के धरातल पर यह एक नई प्रताड़ना की शुरुआत है। अधिकांश छात्र ग्रामीण या निम्न-मध्यम वर्गीय परिवारों से आते हैं जो शहरों में किराए के कमरों या लॉज में रहकर, कर्ज़ लेकर कोचिंग और रहने का खर्च उठाते हैं। परीक्षा रद्द होने का मतलब है-कमरे का किराया, खाने का खर्च और दोबारा आने-जाने का किराया। कई परिवारों के पास दोबारा परीक्षा तक छात्र को बाहर रखने के पैसे ही नहीं होते।

मानव मस्तिष्क किसी एक लक्ष्य के लिए एक निश्चित समय तक ही उच्चतम एकाग्रता बनाए रख सकता है। परीक्षा के दिन छात्र का मानसिक स्तर चरम पर होता है। परीक्षा टलने या रद्द होने पर वह मानसिक लय टूट जाती है। दोबारा उसी स्तर की पढ़ाई, वही सिलेबस और वही मॉक टेस्ट देना दिमाग के लिए अत्यधिक थकाऊ होता है। भविष्य की अनिश्चितता और उम्र का निकलना भी एक बड़ा कारण है। कई परीक्षाओं की प्रक्रिया पूरी होने में ही 2 से 3 साल लग जाते हैं। री-एग्जाम के चक्रव्यूह में फंसकर कई छात्रों की अधिकतम उम्र सीमा समाप्त हो जाती है। यह डर कि 'अगली बार भी लीक हो गया तो?' छात्रों को री-एग्जाम पर ध्यान केंद्रित करने नहीं देता।

पेपर लीक के नासूर को मिटाने के लिए सतही बदलावों से काम नहीं चलेगा। इसके लिए संपूर्ण परीक्षा तंत्र का पुनर्गठन एवं व्यवस्थागत और तकनीकी सुधार बहुत जरूरी हैं। प्रश्नपत्रों को पूरी तरह सुरक्षित करने के लिए ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग किया जाना चाहिए। प्रश्नपत्र पूरी तरह एन्क्रिप्टेड होने चाहिए जो परीक्षा शुरू होने से ठीक 15 मिनट पहले सीधे परीक्षा केंद्र के कंप्यूटर पर एक डिजिटल की के माध्यम से ही खुलें। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी की लाइव मॉनिटरिंग के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग हो जो किसी भी संदिग्ध गतिविधि या मास चीटिंग को तुरंत पकड़ सके।

केंद्र सरकार द्वारा पारित सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 एक स्वागत योग्य कदम है जिसमें 10 साल तक की जेल और 1 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। लेकिन कानून का डर तब तक नहीं होगा जब तक इसके लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाकर 3 से 6 महीने के भीतर दोषियों को जेल न भेजा जाए। इसके अलावा, पेपर लीक में शामिल संगठित माफियाओं की संपत्तियां कुर्क की जानी चाहिए। संस्थागत सुधार भी बहुत जरूरी हैं। परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं जैसे एनटीए, यूपीएससी, राज्य लोक सेवा आयोग को पूर्ण स्वायत्तता और पर्याप्त संसाधन मिलने चाहिए। निजी सेंटर्स के बजाय केवल सरकारी स्कूलों, कॉलेजों, आईआईटी और एनआईटी जैसे विश्वसनीय संस्थानों को ही परीक्षा केंद्र बनाया जाना चाहिए। सभी प्रमुख परीक्षा केंद्रों और नोडल एजेंसियों के स्तर पर छात्रों के लिए मुफ्त मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग की व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए ताकि वे इस कठिन दौर में अवसाद का शिकार होने से बच सकें।

पेपर लीक केवल एक प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि राष्ट्र के जनसांख्यिकीय लाभांश का भी बड़ा नुकसान है। जब देश की मेधावी युवा शक्ति व्यवस्था से निराश होकर अवसाद और आक्रोश में डूबने लगेगी तो राष्ट्र निर्माण की नींव भी कमजोर होगी। युवाओं की इस मूक पीड़ा को समझना होगा। अब समय आ गया है कि राजनीति और लीपापोती से ऊपर उठकर एक पारदर्शी, सुरक्षित और अचूक परीक्षा प्रणाली का निर्माण किया जाए ताकि किसी भी युवा की मेहनत पर भ्रष्टाचार का पानी न फिरे और योग्यता का मान सुरक्षित रहे।

देवभूमि में कानून व्यवस्था सख्त बने

शांति प्रिय हिमाचल प्रदेश यूपी,बिहार की तर्ज पर चल पड़ा ऐसा कहने में कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी ।जनता के दिल में कानून का भय पूर्व की भांति नहीं रहा है ।कुछेक पर्यटक आए दिन देवभूमि में आतंक का नंगा नाच कर रहे,वहीं कुछेक हिमाचली भी ऐसे कारनामों की बजह से चर्चित हैँ ।किसी के पेट में चाकू घोपना,गाड़ी चालक को तेजदार दराट से डराना अब मामूली बात है ।पुलिस का काम जनता के जान,माल की सुरक्षा करना है ।सड़क पर वाहन चालकों की मनमानी रोकना भी पुलिस की अहम जिम्मेदारी है ।हिमाचल प्रदेश में पुलिस कर्मियों द्वारा यातायात नियमों की आवहेलना करने बालों खिलाफ कार्यवाही करना भी अब महंगा साबित हो रहा है ।पुलिस कर्मचारी बिना बजह सार्वजानिक स्थानों पर हाथ जोड़ने पर मजबूर हो जाएं तो समझना होगा की अब हालात बदल चुके हैँ ।सोशल मीडिया में वायरल एक बिडियो की बजह से हिमाचल प्रदेश की छवि बहुत धूमिल हुई है ।हिमाचल प्रदेश पुलिस को अभी कुछ दिन पूर्व सर्वश्रेष्ठ अबार्ड से नवाजा गया है ।सिरमौर में यातायात नियमों की अवहेलना करने बाले एक वाहन चालक को पुलिस कर्मी ने क्या रोका मानों उसके लिए ही आफत बन गई ।सरफिरे वाहन चालक ने स्कूटी पर बैठे पुलिस कर्मी साथ धक्का मुक्की करके कानून व्यवस्था की धज्जियाँ उड़ाने की कोशिश की ।उक्त हमलावर वाहन चालक ने पुलिस कर्मचारी के हैलमेंट को जबरदस्ती सिर से खोलने की कोशिश की,उसकी कमीज का कालर पकड़कर कई बार धमकाया की वह उसे नहीं जानता है ।कुल मिलाकर पुलिस कर्मचारी बिडियो में बहुत असहाय,लाचार नजर आया जो दु:खद बात है ।वायरल बिडियो अनुसार जनता वहाँ खड़ी तमाशबीन बनी रही किसी ने पुलिस कर्मचारी को हमलावर से बचाना जरूरी नहीं समझा ।वाहरी राज्य का व्यक्ति हिमाचल पुलिस कर्मचारी साथ धक्का मुक्की कर रहा था और जनता सब कुछ देख रही थी ।हिमाचल पथ परिवहन निगम के चालक साथ भी कुछ वाहरी राज्यों के पर्यटकों ने मारपीट की जिसका सबक उन्हें मिल चुका है।

सुखदेव सिंह
नूरपुर

आज सवाल यह उठता की आखिर पुलिस कर्मचारी किसके लिए ड्यूटी कर रहा था ।उक्त हमलावर एक निजी कम्पनी में सिक्योरिटी का ठेकेदार जो यूपी का बताया गया है ।ठेकेदार की पुलिस कर्मी साथ गुंडागर्दी देखकर एक बात जरूर कही जा सकती की उसके सिर पर३ किसी नेता का अवश्य हाथ होगा ।अन्यथा कोई भी आन ड्यूटी पुलिस कर्मचारी साथ धक्का,मुक्की करने की हिमाकत नहीं कर सकता है ।पुलिस कर्मचारी साथ धक्का,मुक्की का बिडियो सोशल मीडिया में वायरल करने बाले,तमाशबीन बने लोगों खिलाफ भी सख्त कार्यवाही होनी चाहिए ।पुलिस कर्मचारियों को अकेले यातायात नियमों की पालना करवाने के लिए सड़कों पर नहीं उतरना चाहिए ।आजकल भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों में सहनशीलता में भारी कमी आई है ।मामूली बात पर आग बाबूला होना कुछेक लोगों की रोजमरा की आदत बन चुकी है ।पुलिस को वाहनों को रोकने बजाए क्लोज सर्किट कैमरों (सीसीटीबी) के माध्यम से चालान किए जाने पर प्राथमिकता देनी चाहिए ।हिमाचल प्रदेश की जनता को पुलिस की मदद किए जाने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए ।पुलिस जनता के लिए काम करती,इसलिए उसका दायित्व बनता की मुसीबत समय उसकी भी डाल बने ।सिरमौर पुलिस ने उक्त हमलावर वाहन चालक को गिरफ्तार करके सलाखों पीछे धकेल दिया है ।उक्त व्यक्ति ने सोशल मीडिया में इस बाबत हिमाचल पुलिस,राज्य सरकार से क्षमा भी मांगी,मगर अब बहुत देर हो चुकी है ।सोशल मीडिया में उस घटनाक्रम का बिडियो आग की तरह वायरल करके देवभूमि पुलिस की छवि खराब कर रहा है ।पुलिस कर्मचारी में आत्म विश्वास की भारी कमी नजर आई है ।सार्वजनिक स्थान पर बिना बजह पुलिस कर्मचारी द्वारा हाथ जोड़ना बिल्कुल गलत है ।पुलिस कर्मचारी ऐसे हों विवाद उत्पन्न होने पर आत्म विश्वास बनाए रखें,भय मुक्त रहें,जनता की मदद लेने पर फोकस करें ।हैलमेंट पहनकर धक्का,मुक्की सहन करने बाले प्रदेश पुलिस की छवि नहीं चमका सकते हैँ ।हिमाचल प्रदेश में पर्यटन बिकसित करके आय का स्त्रोत बनाए जाने पर राज्य सरकार फोकस किए है ।पर्यटक देवभूमि की छवि खराब करके चलते बनते है ।सुख की सरकार ने पर्यटकों को खुली छूट दे रखी जिसके चलते पुलिस कर्मचारियों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है।

पर्यटक महंगी गाड़ियां मौज मस्ती किए जाने उद्देश्य से खड्डु,नालों में उतारकर अपनी जिंदगी से खिलबाड़ कर रहे हैँ ।अंजान पर्यटकों को हिमाचल प्रदेश के ब्लैक सपाट बारे समझना होगा ।मामूली गलती कारण कई पर्यटक मौत का ग्रास बन जाते हैँ ।पुलिस के कंधों पर जिम्मेदारियों का बोझ बहुत अधिक होता है ।जनता के जान,माल की सुरक्षा करने सहित आजकल ड्रग्ज, चरस,हीरोइन तस्करी,और अवैध शराब पर पाबंदी लगाना पुलिस के लिए बहुत बड़ी चुनौती है ।गर्मियों के मौसम में पर्यटकों की आमद हिमाचल प्रदेश में कई गुणा बढ़ जाती है ।पर्यटकों को सदैव पुलिस की एडवाइजरी का पालन करना,देवभूमि की संस्कृति का ख्याल रखकर ही काम करना चाहिए ।हिमाचल प्रदेश की जनता ने खाकी साथ धक्का,मुक्की करने बाले खिलाफ सख्त कार्यवाही किए जाने की बकालत की जो सुखद संकेत है।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

विश्व पर्यावरण दिवस पर आई बीएनपार्क में क्यूरटेक ग्रुप द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

बीबीएन 6 जून (तारा) – क्योरटेक ग्रुप के एमडी सुमित सिंगला और बद्दी पुलिस जिला के एसपी विनोद कुमार धीमान की ओर से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आईबीएन पार्क (एसपी रोड) में वृक्षारोपण किया गया तथा भविष्य में भी मिलकर बड़े स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाने का संकल्प लिया गया। साथ ही युवाओं को नशे के प्रति जागरूक करने के लिए सेमिनार आयोजित करने की भी घोषणा की गई। इस अवसर पर बद्दी पुलिस जिला के एसपी विनोद कुमार धीमान ने कहा कि 5 जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस संयुक्त राष्ट्र (यू एन) द्वारा हमारे ग्रह की सुरक्षा के लिए वैश्विक स्तर पर जागरूकता और कार्रवाई को प्रेरित करने हेतु स्थापित किया गया था। पर्यावरण सभी जीवों के जीवन का आधार है, लेकिन आज यह जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और वनों की कटाई जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि पेड़ लगाना, पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) करना और पानी की बचत करना जैसे छोटे-छोटे दैनिक प्रयास भी बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

इस मौके पर सुमित सिंगला ने कहा कि आईबीएन पार्क के पास बन रही फॉरेंसिक लैब के आसपास के क्षेत्र का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हर वर्ष यह अभियान दुनिया भर के लाखों लोगों को सतत (सस्टेनेबल) जीवनशैली अपनाने, पर्यावरण-अनुकूल व्यावसायिक मॉडल को बढ़ावा देने और क्षतिग्रस्त पारिस्थितिक तंत्रों को पुनर्जीवित करने के लिए एकजुट करता है।

गुरुकुल विद्यापीठ पब्लिक स्कूल बद्दी में उत्साह और धूमधाम से मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

बीबीएन, 6 जून (तारा) – गुरुकुल विद्यापीठ पब्लिक स्कूल, जुड़ीकला (बद्दी) में विश्व पर्यावरण दिवस बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुँचाने के लिए एक विशाल जागरूकता रैली निकाली। रैली स्कूल प्रांगण से प्रारंभ होकर सनसिटी, भानु मार्केट, जुड़ी खुर्द, जुड़ी कलां तथा सिक्का होटल होते हुए पुनः विद्यालय पहुँची। विद्यार्थियों ने हाथों में आकर्षक चार्ट, पोस्टर और नारा लेखन सामग्री लेकर लोगों को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता तथा वृक्षारोपण के प्रति जागरूक किया। बच्चों द्वारा बनाई गई चित्रकारी और संदेशों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। विद्यालय की ओर से विद्यार्थियों को मीठा पानी एवं जलपान भी वितरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्या रेखा शर्मा ने विद्यार्थियों को पर्यावरण को स्वच्छ और सुरक्षित रखने का संकल्प दिलाया तथा प्रकृति संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला।

नवनिर्वाचित प्रधान अनु कुमारी ने पंचायतवासियों का जताया आभार

बिलासपुर, (जितेंद्र गौतम) – हाल ही में संपन्न पंचायत चुनावों के बाद ग्राम पंचायत नघियार की नवनिर्वाचित प्रधान अनु कुमारी ने अपने समर्थकों के साथ पंचायत के विभिन्न गांवों का दौरा कर मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। इस दौरान उन्होंने गांव-गांव जाकर लोगों से मुलाकात की तथा चुनाव में मिले समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

अनु कुमारी ने कहा कि पंचायत के सभी क्षेत्रों का समान विकास करवाना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनका मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने पंचायतवासियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि जनसहयोग के बिना विकास कार्यों को सफल बनाना संभव नहीं है।

उन्होंने किसानों के हितों को प्राथमिकता देने का आश्वासन देते हुए बताया कि कृषि विभाग, कृषि विज्ञान केंद्र बरठीं तथा दलहन अनुसंधान केंद्र के सहयोग से किसानों के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे। साथ ही प्रगतिशील किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी के लिए अध्ययन भ्रमण पर भी भेजा जाएगा।

मरूडा, फरनोल और भगतपुर पहुंचने पर ग्रामीणों ने अनु कुमारी का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व प्रधान राजेश कुमार उर्फ कूकी सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों और ग्रामीणों ने पंचायत के विकास के लिए अपना सहयोग देने का भरोसा जताया।

140 करोड़ भारतीयों का सामूहिक राष्ट्रीय मिशन है 'विकसित भारत 2047': कविंद्र गुप्ता

पंचनद शोध संस्थान अध्ययन केंद्र के वार्षिक व्याख्यान में शामिल हुए राज्यपाल

» प्रथम न्यूज । शिमला
06 जून (बी.शर्मा)

राज्यपाल श्री कविंद्र गुप्ता ने कहा कि विकसित भारत-2047 का सपना तभी साकार होगा जब हमारे गांव, हमारे किसान, हमारे युवा और हमारी महिलाएं विकास की मुख्यधारा में सशक्त भागीदार बनेंगे। आत्मनिर्भर भारत का आधार सशक्त ग्रामीण अर्थव्यवस्था, आधुनिक कृषि, कौशल विकास और उद्यमिता है।

राज्यपाल आज शिमला में पंचनद शोध संस्थान अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित वार्षिक व्याख्यान, "भारत-2047, विकसित भारत का संकल्प" विषय पर बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि वर्ष 1983 में स्थापित यह संस्था समाज और राष्ट्र से जुड़े विषयों पर गंभीर विमर्श, शोध तथा जन-जागरण का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान के विभिन्न राज्यों में 42 अध्ययन केंद्र सक्रिय हैं तथा यह संस्था समाज से जुड़े विषयों पर शोध, प्रकाशन, संगोष्ठियों और व्याख्यानों के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना को सशक्त बनाने का कार्य कर रही है। हिमाचल प्रदेश में भी इसके अध्ययन केंद्र सामाजिक और बौद्धिक जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

श्री कविंद्र गुप्ता ने कहा कि वर्ष 2047 में जब भारत अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूर्ण करेगा, तब हमारा लक्ष्य केवल आर्थिक रूप से समृद्ध राष्ट्र बनना नहीं है, बल्कि ऐसा विकसित भारत बनाना है जो समावेशी, आत्मनिर्भर, नवाचार-प्रधान और मानवीय मूल्यों पर आधारित हो। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकसित भारत 2047 का जो संकल्प लिया है, वह केवल सरकार का कार्यक्रम नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सामूहिक राष्ट्रीय अभियान है।

राज्यपाल ने कहा कि भारत आज विश्व की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। डिजिटल प्रौद्योगिकी, नवाचार, स्टार्टअप, बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और वित्तीय समावेशन के क्षेत्रों में देश ने उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त की हैं। वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए आर्थिक प्रगति के साथ-साथ सामाजिक न्याय, पर्यावरणीय संतुलन और सांस्कृतिक मूल्यों को भी समान महत्व देना होगा। राज्यपाल ने कहा कि भारत की डिजिटल यात्रा विश्व के लिए एक मॉडल बन चुकी है। जनधन, आधार और मोबाइल ने शासन व्यवस्था में अभूतपूर्व परिवर्तन किया है। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस ने डिजिटल लेन-देन को सरल, सुरक्षित और सर्वसुलभ बनाया है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों तक पहुँच रहा है। उन्होंने कहा कि इससे पारदर्शिता बढ़ी है, भ्रष्टाचार और बिचौलियों की भूमिका कम हुई है तथा करोड़ों नागरिकों का शासन व्यवस्था पर विष्वास सुदृढ़ हुआ है।

उन्होंने कहा कि हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्य के युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल उन्हें उचित अवसर, आधुनिक शिक्षा और नवाचार का वातावरण उपलब्ध कराने की है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का निर्माण केवल नीतियों से नहीं होगा, बल्कि युवाओं की ऊर्जा, उनके ज्ञान, उनके चरित्र और उनकी राष्ट्रनिष्ठा से होगा। राज्यपाल ने कहा, "आप केवल रोजगार खोजने वाले नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाले बनें। नवाचार और उद्यमिता को अपनाएँ तथा समाज की समस्याओं के समाधान में अपनी प्रतिभा का उपयोग करें।"

श्री गुप्ता ने कहा कि आर्थिक विकास के साथ नैतिक मूल्यों, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी सभ्यता, संस्कृति और लोकतांत्रिक परंपराएं हैं। विकसित भारत का स्वरूप आधुनिक भी होगा और अपनी जड़ों से जुड़ा हुआ भी।

इस अवसर पर, राज्यपाल ने राधिका धीमान द्वारा लिखी पुस्तक "पूर्ण पुरुष सिक्खी के सूत्र" तथा अमरदीप सिंह द्वारा लिखी पुस्तक "मन बुद्धि का विकास सिक्खी के सूत्र" का विमोचन भी किया। इससे पूर्व, कार्यक्रम के मुख्य वक्ता तथा पंचनद शोध संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने राज्यपाल को सम्मानित किया तथा "भारत-2047, विकसित भारत का संकल्प" विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।

साईं इटरनल फाउंडेशन के संस्थापक सदस्य एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री राज कुमार वर्मा तथा पंचनद शोध संस्थान के राष्ट्रीय सह निदेशक प्रो. मनु सूद ने भी राज्यपाल का स्वागत किया तथा विकसित भारत को लेकर अपने विचार प्रस्तुत किए।

ग्रीष्मोत्सव में हिमाचल के 200 कलाकार बिखेरेंगे लोक संस्कृति के रंग

पंजाबी गायक बॉबी सिद्धू भी देंगे प्रस्तुति, एनजेडसीसी पटियाला के विभिन्न राज्यों के दल करेंगे मनोरंजन

» प्रथम न्यूज । शिमला
06 जून (बी.शर्मा)

अंतरराष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव-2026 के दौरान हिमाचल प्रदेश की समृद्ध लोक संस्कृति और कला का भव्य प्रदर्शन देखने को मिलेगा। 8 जून से 12 जून 2026 तक आयोजित होने वाले इस प्रतिष्ठित उत्सव में प्रदेश के विभिन्न जिलों से लगभग 200 कलाकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। यह मंच न केवल स्थानीय कलाकारों को अपनी कला प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करेगा, बल्कि देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों और स्थानीय लोगों को हिमाचल की सांस्कृतिक विरासत से भी रूबरू करवाएगा।

उपायुक्त शिमला एवं अध्यक्ष अंतरराष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव आयोजन समिति अनुपम कश्यप ने बताया कि ग्रीष्मोत्सव का उद्देश्य प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को सशक्त बनाना तथा स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहन देना है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश के ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में अनेक प्रतिभाशाली कलाकार हैं, जिन्हें बड़े मंचों पर अपनी कला प्रस्तुत करने के अवसर कम मिलते हैं। ग्रीष्मोत्सव के माध्यम से ऐसे कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का सुनहरा अवसर उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उत्सव के दौरान प्रतिदिन हिमाचल प्रदेश के लोक गायक, लोक नर्तक,

वाद्य यंत्र वादक तथा सांस्कृतिक दल मंच पर अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेश की विविध लोक परंपराओं, संगीत और नृत्य शैलियों का प्रदर्शन किया जाएगा। इससे न केवल कलाकारों का उत्साहवर्धन होगा, बल्कि युवा पीढ़ी को भी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने की प्रेरणा मिलेगी। उपायुक्त ने कहा कि स्थानीय कलाकारों को प्राथमिकता देना आयोजन समिति की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। ग्रीष्मोत्सव प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित एवं प्रोत्साहित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है और इसके जरिए हिमाचल की लोक संस्कृति को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एनजेडसीसी) पटियाला के सहयोग से विभिन्न राज्यों के सांस्कृतिक दल भी प्रतिदिन अपनी आकर्षक प्रस्तुतियां देंगे। इनमें उत्तराखंड का छोलिया नृत्य, राजस्थान का भवई नृत्य, जम्मू एवं कश्मीर का गोजरी नृत्य तथा हरियाणा के घूमर और फाग नृत्य शामिल हैं। इन प्रस्तुतियों से दर्शकों को देश की सांस्कृतिक विविधता की झलक भी देखने को मिलेगी। ग्रीष्मोत्सव के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की विशेष आकर्षण 10 जून को होने वाली पंजाबी गायक बॉबी सिद्धू की प्रस्तुति होगी। अपने लोकप्रिय गीतों और मधुर गायन शैली के लिए प्रसिद्ध बॉबी सिद्धू दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेंगे।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव-2026 में स्थानीय और बाहरी कलाकारों की प्रस्तुतियों का यह संगम सांस्कृतिक एकता, लोक परंपराओं के संरक्षण और कलाकारों के सम्मान का एक सशक्त मंच सिद्ध होगा।

नवनिर्वाचित पंचायत समिति सदस्यों ने ग्रहण की पद, गोपनीयता की शपथ

एसडीएम डॉ संजीव धीमान ने दिलाई शपथ

पट्टा मेहलोग, 6 जून (तारा) – विकास खंड पट्टा के नवनिर्वाचित पंचायत समिति सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) पट्टा में आयोजित समारोह में पंचायत समिति के कुल 15 नवनिर्वाचित सदस्यों ने पद, गोपनीयता एवं सत्यनिष्ठा की शपथ ग्रहण की। उपमंडलाधिकारी एवं पीठासीन अधिकारी डॉ संजीव धीमान ने सभी सदस्यों को विधिवत शपथ दिलाई गई। शपथ ग्रहण के उपरांत विधायक राम कुमार चौधरी ने सभी निर्वाचित सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि वे पंचायत समिति क्षेत्र के विकास, जनकल्याण तथा सुशासन के लिए पूरी निष्ठा एवं समर्पण भाव से कार्य करेंगे। पंचायत समिति ग्रामीण विकास की महत्वपूर्ण कड़ी है तथा जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भूमिका से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

खंड विकास अधिकारी कुलदीप सिंह ने कहा कि प्रशासन एवं पंचायत समिति के मध्य बेहतर समन्वय के माध्यम से विकास कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का आह्वान किया। समारोह में लगभग 60 से 70 समर्थकों, जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर नवनिर्वाचित सदस्यों का उत्साहवर्धन किया।

जिला मुख्यालय चंबा में उपायुक्त मुकेश रेपसवाल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

» प्रथम न्यूज । चंबा
06 जून (एएम नाथ)

जिला मुख्यालय चंबा में उपायुक्त मुकेश रेपसवाल की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया। उपायुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में आयोजित इस बैठक में अनुसूचित जाति जनजाति अधिनियम 1988 एवं नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम 1955 के अलावा दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 तथा प्रधानमंत्री के नए 15 सूत्रीय कार्यक्रम के कार्यान्वयन अनुरणश्र व रिपोर्टिंग के विषय में विस्तृत समीक्षा व चर्चा की गई।

बैठक में उपायुक्त ने विभिन्न विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकार द्वारा दिव्यांग जनों के कल्याणर्थ चलाई जा रही योजनाओं को जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा पात्र लोगों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें ताकि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को इन योजनाओं का लाभ प्राप्त हो सके। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी चंबा को निर्देश दिए कि स्वास्थ्य विभाग प्रत्येक चिकित्सा खंड स्तर पर दिव्यंगता प्रमाण पत्र बनाने के लिए विशेष शिविर आयोजित करना सुनिश्चित करे। उन्होंने जिला कल्याण अधिकारी को निर्देश दिए कि जिला में महाविद्यालयों सहित सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में दिव्यांगों से संबंधित छात्रवृत्ति योजनाओं बारे व्यापक प्रचार किया जाए। बैठक में जिला कल्याण अधिकारी मंजुल ठाकुर ने अवगत करवाया के वित्त वर्ष 2025 -26 में जिला चंबा के 94 विद्यार्थियों को 9, 99 875 रुपए दिव्यांग छात्रवृत्ति के रूप में वितरित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत पहली से पांचवी तक की कक्षा के विद्यार्थियों को 625 रुपए (हॉस्टलर को 1875) प्रतिमाह, छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों को 750 रुपए (हॉस्टलर को 1875) प्रतिमाह, नवमी व दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों को 950 रुपये (हॉस्टलर को 1875) प्रतिमाह, 10+1 व 2 कक्षाओं के विद्यार्थियों को 1250 रुपये (हॉस्टलर को 2500) प्रतिमाह, 10 + 2 के पश्चात डिप्लोमा कोर्स तथा बीए बीएससी व बीकॉम इत्यादि करने वाले विद्यार्थियों को 1875 रुपये (हॉस्टलर को 3750) प्रतिमाह, एम ए, एमएससी, एम काम तथा एम एड इत्यादि करने वाले विद्यार्थियों को 2250 रुपए (हॉस्टलर को 3750) प्रतिमाह तथा बीई बीटेक एमबीबीएस व एलएलबी करने वाले विद्यार्थियों को 3750 रुपये (हॉस्टलर को 5000) प्रतिमाह दिव्यांग छात्रवृत्ति का प्रावधान है। बैठक में अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 के अलावा प्रधानमंत्री के नए 15 सूत्रीय कार्यक्रम के संबंध में विभिन्न उपलब्धियों की कार्य प्रगति बारे विस्तृत चर्चा व समीक्षा की गई। बैठक में एससी एसटी एक्ट से संबंधित लंबित प्रकरणों पर राहत राशि के भुगतान तथा जांच के दौरान विलोपित धाराओं वाले प्रकरणों में राहत सहायता राशि की देयता पर विचार एवं निर्णय लिए गए।

नवनिर्वाचित जिला परिषद सदस्यों ने ली शपथ, उपायुक्त ने विकास और नशा मुक्ति पर दिया जोर

चंबा में 18 जिला परिषद सदस्यों का शपथ ग्रहण, जनअपेक्षाओं पर खरा उतरने का आह्वान

» प्रथम न्यूज । चंबा
06 जून (एएम नाथ)

जिला चंबा के नवनिर्वाचित जिला परिषद सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह शनिवार को बचत भवन चंबा के सभागार में आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त मुकेश रेपसवाल ने जिला परिषद के सभी 18 नवनिर्वाचित सदस्यों को संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा की शपथ दिलवाई। कार्यक्रम में जिले के सभी जिला परिषद वार्डों से निर्वाचित सदस्यों ने भाग लेकर अपने दायित्वों का निर्वहन करने का संकल्प लिया।

शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए उपायुक्त मुकेश रेपसवाल ने सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि लोकतांत्रिक व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं और उनसे जनता को अनेक अपेक्षाएं रहती हैं। ऐसे में सभी सदस्य अपने-अपने क्षेत्रों में पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ कार्य करते हुए जनविश्वास को मजबूत करें।

उपायुक्त ने कहा कि विकास कार्यों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करना तथा सरकारी धन का सही और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना जनप्रतिनिधियों का प्रमुख दायित्व है। उन्होंने सभी जिला परिषद सदस्यों से आग्रह किया कि वे अपने क्षेत्रों के विकास के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों को भी प्राथमिकता दें।

उन्होंने विशेष रूप से नशा उन्मूलन अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार और प्रशासन द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे प्रयासों में जनप्रतिनिधियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सदस्यों से अपील की कि वे अपने क्षेत्रों में लोगों को जागरूक करने तथा युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए सक्रिय सहयोग प्रदान करें, ताकि एक स्वस्थ, सशक्त और नशामुक्त समाज का निर्माण किया जा सके। इसके अलावा उन्होंने आगामी जनगणना कार्यों में भी जनप्रतिनिधियों से सहयोग की अपेक्षा जताई। कार्यक्रम के दौरान कुछ वरिष्ठ एवं अनुभवी जिला परिषद सदस्यों के साथ-साथ पहली बार निर्वाचित युवा सदस्यों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने अपने क्षेत्रों की प्राथमिकताओं, विकास योजनाओं तथा भविष्य की चुनौतियों पर अपने अनुभव साझा किए।

उल्लेखनीय है कि जिला चंबा के 18 नवनिर्वाचित जिला परिषद सदस्यों में 11 पुरुष और 7 महिला सदस्य शामिल हैं। विकासखंड भरमौर के गैहरा वार्ड से निर्वाचित 25 वर्षीय सुनील दत्त शर्मा सबसे युवा पुरुष सदस्य हैं, जबकि तीसा विकासखंड के चांजू वार्ड की 28 वर्षीय रजनी देवी और भटियात विकासखंड के कथेट वार्ड की दिव्या ज्योति वर्मा सबसे युवा महिला सदस्य हैं।

वहीं भरमौर वार्ड की 75 वर्षीय लीला देवी सबसे वरिष्ठ जिला परिषद सदस्य हैं। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त अमित मेहरा, जिला पंचायत अधिकारी महेश ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

15 साल के वैभव सूर्यवंशी को मिला टीम इंडिया में मौका

सचिन तेंदुलकर का तोड़ा 37 साल पुराना रिकॉर्ड

भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे Vaibhav Suryavanshi ने महज 15 वर्ष की उम्र में एक ऐसा कीर्तिमान स्थापित कर दिया है, जिसकी पूरे देश में चर्चा हो रही है। शनिवार को घोषित भारतीय टीम में चयन के साथ ही वैभव सबसे कम उम्र में राष्ट्रीय टीम में जगह पाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टी20 टीम में शामिल किया गया है, वहीं आगामी एशियाई खेलों के लिए भी उनका चयन हुआ है।

इस उपलब्धि के साथ वैभव ने भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज Sachin Tendulkar का 37 वर्ष पुराना रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया है। सचिन को 1989 में पाकिस्तान दौरे के लिए भारतीय टीम में चुना गया था, तब उनकी उम्र 16 वर्ष से अधिक थी। वहीं वैभव को 15 वर्ष की उम्र में ही राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बनने का गौरव हासिल हुआ है।

अंडर-19 से टीम इंडिया तक का सफर

वैभव सूर्यवंशी ने पिछले कुछ वर्षों में अंडर-19 क्रिकेट और घरेलू प्रतियोगिताओं में लगातार शानदार प्रदर्शन किया। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और बड़े मंच पर दबाव झेलने की क्षमता ने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया। यही वजह रही कि कम उम्र के बावजूद उन्हें सीधे राष्ट्रीय टीम में मौका दिया गया।

क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि वैभव में लंबी रेस का खिलाड़ी बनने की क्षमता है और वह आने वाले वर्षों में भारतीय क्रिकेट की नई पहचान बन सकते हैं।

आईपीएल 2026 में किया धमाकेदार प्रदर्शन : आईपीएल 2026 वैभव सूर्यवंशी के लिए यादगार साबित हुआ। Rajasthan Royals की ओर से खेलते हुए युवा सलामी बल्लेबाज ने 16 मैचों में 776 रन बनाकर पूरे टूर्नामेंट में सबसे अधिक रन बनाने का कारनामा किया। शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने ऑरेंज कैप अपने नाम की और सबसे कम उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाले खिलाड़ी बने।

उनकी बल्लेबाजी के दम पर उन्हें टूर्नामेंट का 'मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर' (MVP) और 'इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' पुरस्कार भी मिला। खास बात यह रही कि एक ही सीजन में दोनों पुरस्कार जीतने वाले वह पहले खिलाड़ी बने।

अब डेब्यू रिकॉर्ड पर नजर

वैभव के चयन के बाद अब सबकी निगाहें उनके अंतरराष्ट्रीय पदार्पण पर टिकी हैं। यदि उन्हें आगामी मुकाबलों में अंतिम एकादश में शामिल किया जाता है, तो वह भारत के लिए सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष स्थान हासिल कर सकते हैं।

व्यस्त रहेगा भारतीय कार्यक्रम

भारतीय टीम अपने विदेशी दौरे की शुरुआत आयरलैंड के खिलाफ बेलफास्ट में होने वाले दो टी20 मुकाबलों से करेगी। इसके बाद टीम इंग्लैंड में पांच मैचों की टी20 श्रृंखला खेलेगी। वहीं एशियाई खेलों में पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता सितंबर के अंतिम सप्ताह से शुरू होकर अक्टूबर में पदक मुकाबलों के साथ संपन्न होगी।

भारतीय क्रिकेट में नई उम्मीद के रूप में उभरे वैभव सूर्यवंशी से अब प्रशंसकों और विशेषज्ञों को बड़ी उम्मीदें हैं। कम उम्र में मिली यह सफलता उनके करियर की केवल शुरुआत मानी जा रही है।

आशीष की हैट्रिक की बदौलत भारत ने में अंडर-18 एशिया कप में जीता सोना, फाइनल में जापान को रौंदा

जापान के काकामीगाहारा में खेले गए अंडर-18 एशिया कप 2026 के फाइनल में शुक्रवार को भारतीय अंडर-18 मेंस हॉकी टीम ने मेजबान जापान को 4-1 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। आशीष तानी पूर्ति (2%, 28%, 34%) ने हैट्रिक लगाई। कप्तान केतन कुशवाहा (30%) ने भी एक गोल दागा। भारत ने मेजबान टीम के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। नुमादा गाकू (52%) ने जापान की ओर से एकमात्र गोल दागा।

प्लेयर्स पर पैसों की बारिश : हॉकी इंडिया ने स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय अंडर-18 पुरुष हॉकी टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को 3 लाख रुपये और सहायक स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को 1.5 लाख रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की। हॉकी इंडिया ने कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम की प्रत्येक खिलाड़ी को 1 लाख रुपये और सहायक स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को 50,000 रुपये का नकद पुरस्कार देने की भी घोषणा की।

दूसरे मिनट में दागा गोल

भारत ने मैच की शुरुआत में ही अपना दबदबा कायम कर लिया और पहले 90 सेकंड के भीतर ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। आशीष तानी पूर्ति दूसरे मिनट ने शानदार फिनिशिंग करते हुए भारत को शुरुआती बढ़त दिला दी।

जापान ने दूसरे क्वार्टर में अपनी पकड़ मजबूत की और चार बार पेनल्टी कॉर्नर के अंदर घुसकर भारत को चुनौती दी, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति पूरे समय डटी रही और पहला क्वार्टर 1-0 की बढ़त के साथ समाप्त हुआ।

दूसरे क्वार्टर में मेजबान टीम के लगातार दबाव के बावजूद भारत ने अपनी बढ़त को और मजबूत किया। जापान ने अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया और खतरनाक नजर आया, लेकिन बराबरी का गोल उनके हाथ नहीं लगा।

हाफ टाइम तक 3 गोल

भारत ने 28वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। आशीष तानी पूर्ति ने एक बार फिर शानदार खेल दिखाते हुए जोरदार शॉट लगाकर स्कोर 2-0 कर दिया। प्रहलाद राजभर ने खतरनाक क्षेत्र में गेंद छीनी, तेजी से आगे बढ़े और कप्तान केतन कुशवाहा (30वें मिनट) को पास दिया, जिन्होंने आसानी से गोल दागकर हाफ टाइम तक भारत को 3-0 की बढ़त दिला दी।

आशीष रहे मैच के हीरो

तीसरे क्वार्टर में भी भारत का आक्रामक खेल जारी रहा। वरिंदर सिंह की शानदार दौड़ के चलते एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला और आशीष तानी पूर्ति ने 34वें मिनट में सटीक फिनिश के साथ अपनी हैट्रिक पूरी करते हुए भारत को 4-0 की मजबूत बढ़त दिला दी।

जापान ने अंतिम क्वार्टर में कड़ा संघर्ष किया और 52वें मिनट में नुमादा गाकू ने पेनल्टी किक को गोल में बदलकर स्कोर 4-1 कर दिया। आशीष तानी को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया।

मुख्यमंत्री ने विश्व पर्यावरण दिवस पर नागरिकों से एक पेड़ अवश्य लगाने की करी अपील

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लाडवा विधानसभा के नागरिकों की समस्याओं को सुना

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

06 जून (मुकेश डोलिया)

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज विश्व पर्यावरण दिवस है। मैं आप सबको इसकी भी हार्दिक बधाई देता हूं। इसके साथ ही, मैं सबसे अपील करता हूं कि आप पर्यावरण को बचाने में योगदान दें। आज ही के दिन वर्ष 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत की थी। इस अभियान को सफल बनाने के लिए आप एक पेड़ अवश्य लगाएं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह लाडवा कुरुक्षेत्र के प्रांगण में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लाडवा विधानसभा के नागरिकों की समस्याओं को सुना और मौके पर ही अधिकारियों को समस्याओं का हल करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पर्यावरण संरक्षण पर संदेश देते हुए कहा कि प्रकृति के साथ हमारा जुड़ाव केवल एक दिन के औपचारिक आयोजन तक सीमित नहीं रहना चाहिए।

पर्यावरण संरक्षण एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें हम सभी को अपने दैनिक जीवन में छोटी-छोटी परंतु सार्थक भूमिकाओं का निर्वहन करना होगा। उन्होंने कहा कि जब हम एक पौधा लगाते हैं, तो हम वास्तव में केवल हरियाली नहीं बढ़ा रहे होते, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन की नींव को सुदृढ़ कर रहे होते हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नागरिकों से जिम्मेदारी का आह्वान किया कि वे वर्ष में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं और उसके वृक्ष बनने तक उसकी पूर्ण देखभाल सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा लगाए गए पौधे जब विशाल वृक्ष का रूप लेते हैं, तभी वे हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन, शीतल छाँव और जैव-विविधता का आधार प्रदान कर पाते हैं। हर दिन हमें पर्यावरण के प्रति सजग रहकर सक्रिय प्रयास करने चाहिए, ताकि एक स्वच्छ और स्वस्थ समाज का निर्माण हो सके।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए समय की मांग है कि हम प्रतिबंधित प्लास्टिक उत्पादों का उपयोग पूरी तरह बंद करें और पर्यावरण अनुकूल विकल्पों को अपनाएँ। इसके साथ ही उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं जागरूक बनें तथा अपने परिवार, मित्रों और आसपास के लोगों को भी सिंगल यूज़ प्लास्टिक एवं पॉलीथीन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर इसके उपयोग को रोकने में सक्रिय योगदान दें।

इस मौके पर उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक चंद्र मोहन, एसडीएम अनुभव मेहता, मार्केट कमेटी अध्यक्ष डॉ. गणेश दत्त, नगर पालिका चेयरपर्सन साक्षी खुराना सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण, हमारा कर्तव्य पेड़ लगाओ, प्रदूषण भगाओ

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर

06 जून (जितेंद्र गौतम)

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मजारी में विश्व पर्यावरण दिवस पर श्री मति हरप्रीत कौर की देखरेख में, पर्यावरण संरक्षण में समाज की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए गत वर्षों से चल रहे एक पेड़, मां के नाम कार्यक्रम का शुभारंभ किया

इस कार्यक्रम के अंतर्गत सभी विद्यार्थियों को अपनी माँ के नाम पर एक पेड़ को लगाने का आग्रह बच्चों से किया गया है, अपनी अपनी सुविधा अनुसार बच्चों को अपनी घर की जमीन, या समीप में खाली सरकारी जमीन पर पेड़ लगाने को कहा गया है प्रधानाचार्य सुरजीत सिंह ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि बच्चों को फलदार एवं छायादार पेड़ विद्यालय उपलब्ध करवाएगा और पर्यावरण प्रभारी श्री मति रेखा अत्री एवं मिशन लाइफ़ की प्रभारी श्री मति हरप्रीत कौर के साथ मिलकर विद्यालय ने यह योजना भी बनाई है कि गत वर्षों से इस अभियान के अंतर्गत लगाए गए पौधों की स्थिति की जांच कर उनके खाद पानी की चर्चा विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों से की जाएगी ताकि एक हरा भरा सुरक्षित वातावरण चक्र तैयार हो सके, विद्यालय मजारी के विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने, पूर्व में लगाए गए पेड़ों की देखभाल करने की योजना को प्रभावी बनाने के लिए स्कूल वार्षिक पारितोषिक समारोह में अच्छा कार्य करने वाले विद्यार्थियों को उनके अभिभावकों सहित विद्यालय प्रशासन समानित करेगा आज के इस अभियान में चार अभिभावकों ने अपने बच्चों सहित विद्यालय की मिशन लाइफ़ प्रभारी श्री मति हरप्रीत कौर की अगुवाई में पेड़ लगाए।

मुख्यमंत्री ने 8 जून, 2026 को प्रदेश से भव्य सोमनाथ यात्रा निकालने की करी घोषणा

मुख्यमंत्री ने सचखंड श्री हुजूर साहिब नांदेड़ के दर्शन के लिए जा रही विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र

06 जून (बृज मोहन)

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने घोषणा करते हुए कहा कि 8 जून, 2026 को प्रदेश से भव्य सोमनाथ यात्रा का आयोजन किया जाएगा। सोमनाथ मंदिर हमारी अखंड आस्था, सांस्कृतिक धरोहर और आत्मसम्मान के पुनर्जागरण का प्रतीक है। भारत की सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक भगवान श्री सोमनाथ महादेव ज्योतिर्लिंग की पावन भूमि के प्रति गहरी श्रद्धा और आस्था है। भारत सरकार द्वारा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व - 1000 वर्ष की अखंड आस्था के अंतर्गत 11 जनवरी, 2027 तक एक वर्षव्यापी राष्ट्रीय स्मरणोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कुरुक्षेत्र रेलवे स्टेशन पर आयोजित मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना समारोह में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने सचखंड श्री हुजूर साहिब नांदेड़ के दर्शन के लिए जा रहे यात्रियों की विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और यात्रियों से बातचीत कर शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने इस पवित्र यात्रा पर जा रहे यात्रियों को संकल्प दिलवाते हुए कहा कि वो गुरु साहिब की शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारें। यही इस यात्रा की सच्ची सफलता होगी। इस दौरान मुख्यमंत्री को स्मृति चिह्न, सरोपा भेंटकर सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज जो ट्रेन कुरुक्षेत्र से जा रही है वह दो महान तीर्थ स्थलों के बीच सेतु का काम कर रही है। एक तरफ धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र है, जहां भगवान श्रीकृष्ण जी ने मोह ग्रस्त अर्जुन के माध्यम से संसार को गीता का उपदेश देकर जीवन का मार्ग दिखाया। यही नहीं, यह पावन धरा गुरु साहिबान के पावन चरणों से भी अनेक बार पवित्र हुई है। दूसरी तरफ, सचखंड श्री हुजूर साहिब, नांदेड़ वह पवित्र स्थान है, जहां दशम पातशाह श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ज्योति जोत समाए। इन दोनों पवित्र स्थलों को जोड़ने वाली यह विशेष ट्रेन भारत की आध्यात्मिक धारा के प्रवाह का प्रतीक बन रही है।

उन्होंने कहा कि तीर्थ यात्राएं धार्मिक कार्यक्रम के साथ-साथ समाज को जोड़ने का माध्यम होती हैं। यह लोगों को संस्कारों से और नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का सशक्त माध्यम होती हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण और संवर्धन के लिए अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के तहत श्री आनंदपुर साहिब- श्री फतेहगढ़ साहिब-श्री चमकौर साहिब-फिरोजपुर अमृतसर-खटकड़ कलां कलानौर-पटियाला विरासत सर्किट के विकास को मंजूरी दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कुरुक्षेत्र के ज्योतिसर में गत 25 नवम्बर को श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय समागम में शामिल होकर उन्हें नमन किया था। उन्होंने श्री गुरु तेग बहादुर को समर्पित सिक्के, डाक टिकट और कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया। इससे पहले वर्ष 2019 में उन्होंने पंजाब के गुरदासपुर में डेरा बाबा से श्री करतारपुर साहिब गलियारे का उद्घाटन किया। तीर्थ यात्रियों के लिए अमृतसर से नांदेड़ तक विशेष हवाई सेवा शुरू की गई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने दशम पातशाह श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के साहबजादों बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के शहीदी दिवस को हर वर्ष वीर बाल दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। हर साल 26 दिसम्बर को वीर बाल दिवस पूरे देश में अत्यंत श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। इन सभी प्रयासों का उद्देश्य हमारी आस्था को सशक्त करना और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री सचखंड हुजूर साहिब, नांदेड़ सिख इतिहास और परंपरा का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां जाकर हर श्रद्धालु को दशम पातशाह श्री गुरु गोबिंद सिंह जी की शिक्षाओं, उनके त्याग और उनके बलिदान की अनुभूति होती है। उन्होंने हमें सिखाया कि धर्म की रक्षा के लिए, अन्याय के खिलाफ खड़ा होना चाहिए और मानवता की सेवा के लिए हमें सदैव तत्पर रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि इससे पहले गत 28 मार्च को भगवान श्री राम की जन्मभूमि, अयोध्या धाम के लिए विशेष तीर्थ ट्रेन भेजी गई थी। उसके बाद आज यह दूसरी ट्रेन श्री हजूर साहिब भेजी जा रही है। आज प्रदेश के 9 जिलों से 800 से अधिक श्रद्धालुओं को तीर्थ यात्रा पर भेजा जा रहा है। इस यात्रा को आरामदायक बनाने के लिए ट्रेन में खान-पान और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

इस मौके पर पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, सीएम के मीडिया सचिव प्रवीन अत्रे, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक चंद्र मोहन, सीएम मीडिया कोर्डिनेटर तुषार सैनी, हरियाणा सिंह गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी जगदीश झींडा, भाजपा जिलाध्यक्ष तिजतेंद्र सिंह गोल्डी, बीबी करतार कौर, उपाध्यक्ष धूमन सिंह किरमच, जिला परिषद चेयरपर्सन कंवलजीत कौर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

गर्मियों में माथे पर दिखने वाले कालेपन को दूर करेंगे ये घरेलू नुस्खे

गर्मियों में माथे के कालेपनं की समस्या आम देखी जा सकती है। हालाँकि माथे का कालापन ज्यादातर सूरज की तेज किरणों, पसीने, पोषक तत्वों की कमी और हार्मोनल बदलाब के कारण होता है लेकिन इसके कई अन्य कारण भी हो सकते हैं।

माथे को रगड़ते रहना माथे की टैनिंग का कारण बन सकता है. अगर माथे पर पसीना आता है और आप हर समय माथा रगड़ते रहते हैं तो इससे घर्षण बढ़ता है और माथे पर पिग्मेंटेशन ज्यादा नजर आने लगती है। अगर आप सिर दर्द से परेशान रहते हैं और इससे छुटकारा पाने के लिए बाम का इस्तेमाल करते हैं तो इस बजह से भी माथे पर कालापन हो सकता है ।यह उन लोगो को होता है जोकि बाम का इस्तेमाल बार बार करते हैं । अगर आप बालों को कलर करते हैं तो भी आपको कलर में केमिकल की बजह से त्वचा पर एलर्जी हो सकती है जिससे आपका माथा काला पड़ सकता है क्योंकि कुछ लोगों की त्वचा ज्यादा संवेदनशील होती है ।

कुछ लोगों को परफ्यूम से एलर्जी होती है और उन्हें परफूम लगाने से माथे पर कालापन आ जाता है। इसका कारण धूल, मिट्टी, माथे पर पसीना आना इत्यादि भी हो सकता है।

कई बार तो माथे का कालापन दूर से ही दिखने लगता है। खासकर जब पार्लर से थ्रेडिंग बनवाकर आते हैं तो माथे और बाकी चेहरे के बीच साफ लकीर बन जाती है। माथे का कालापन बढ़ने के कारण आपके चेहरे की रंगत भी फीकी हो जाती ।

अगर आप भी माथे के कालेपन से परेशान हो चुके हैं तो ये घरेलू नुस्खे माथे का कालापन दूर करने में आपकी मदद कर सकते हैं। माथे का कालापन दूर करने के लिए ओट्स और छाछ का देशी नुस्खा काफी कारगर साबित होता है ।इससे त्वचा की मृतक कोशिकाएं हट जाती हैं और कालापन खतम होने के साथ ही त्वचा की रंगत भी निखरेगी ।

ऐसे में 2 चम्मच ओट्स को पानी में भिगो दें। अब 5 मिनट बाद ओट्स में 3 चम्मच छाछ मिलाकर बने मिश्रण को चेहरे पर आहिस्ता आहिस्ता लगाते हुए चेहरे की मसाज करें । आधा घण्टा बाद चेहरे को ताजे साफ पानी से धो डालें ।

इसे हटाने के बाद आप मॉइश्चराइज़र लगा सकते हैं।

इसे आप हफ्ते में तीन दिन तक लगा सकती हैं ।

कच्चे दूध में हल्दी मिलाकर

हल्दी एंटीसेप्टिक , एंटीबैक्टीरियल और रंगत निखारने वाले गुणों के लिए जानी जाती है। आप इसका इस्तेमाल करके कालेपन को दूर कर सकते हैं।

माथे पर कालापन कम करने के लिए कच्चे दूध में हल्दी मिलाकर लगाने से भी आपको काफी फायदा होगा।

एक कटोरी में आधा चम्मच हल्दी लें। अब इसमें दूध मिलाकर इसे माथे पर लगाने के बाद प्रकृतिक तौर पर सूखने दें तथा बाद में साफ ताजे पानी से चेहरे को धो डालें। इससे धीरे.धीरे माथे का कालापन कम होगा।

माथे को साफ करने के लिए कच्चे दूध को रूई की मदद से लगाएं। दूध माथे पर आधा घण्टा तक लगाए रखें और उसके बाद पानी से माथा धोएं। इससे रंगत में निखार आएगा । आप कच्चे दूध में गुलाब जल को मिलकर भी माथे पर लगा सकते हैं। दूध में लैक्टिक एसिड मौजूद होता है। लैक्टिक एसिड त्वचा की रंगत में सुधार करने और कालेपन को दूर करने में मदद कर सकता है।

कच्चे दूध में गुलाब जल मिलाकर सोने से पहले माथे पर अच्छे से लगाएं। फिर आप इसको रातभर ऐसे ही लगा रहने दें। फिर आप सुबह चेहरे को धोकर साफ कर लें। कच्चा दूध से त्वचा की रंगत साफ होती है और चेहरे की रंगत में निखार आता है।

–लेखिका अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौन्दर्य बिशेष्ज्ञ है और हर्बल क्वीन के रूप में लोकप्रिय है ।

शहनाज़ हुसैन

शहद और नींबू

- माथे के कालेपन से निपटने के लिए शहद और नींबू का मिश्रण भी काफी कारगर नुस्खा साबित हो सकता है।
- इसके लिए 1 चम्मच शहद में आधा चम्मच नींबू का रस मिलाकर उंगलियों की मदद से इसे माथे पर
- लगाकर 45 मिनट तक छोड़ दें । नींबू में ब्लीचिंग गुण पाए जाते हैं जो मैल को हटाकर स्किन के टोन को सही करता है। नियमित रूप से ये नुस्खा आपकी त्वचा की रंगत को सुधारने में भी आपकी मदद करेगा।
- माथे के कालेपन को दूर करने में तेल काफी सहायक साबित होते हैं। तेलों में कई तरह के फैटी एसिड्स होते हैं जो स्किन को साफ करते हैं। हाइपरपिग्मेंटेशन को कम करने के लिए भी ये तेल लगाए जा सकते हैं।
- नारियल का तेल, बादाम का तेल–ऑलिव ऑयल माथे पर लगाकर मालिश करने के बाद धो लेने पर अच्छा असर दिखता है। इसे हफ्ते में 3 से 4 बार लगाया जा सकता है।
- एक कटोरी में बादाम का एक चम्मच तेल, शहद और दूध का पाउडर मिलाएं। इस पेस्ट को अपने माथे पर लगा लें और सूखने के लिए छोड़ दें फिर रगड़कर माथे को साफ कर लें। नियमित रूप से ऐसा करने पर माथे का कालापन कुछ ही दिनों में दूर हो जाएगा।
- खीरे का रस नियमित रूप से माथे पर लगाने से टैनिंग की समस्या दूर हो सकती है.। खीरे में विटामिन सी की मात्रा होती है, जो त्वचा के ग्लो को बढ़ावा देता है और टैनिंग की समस्या का उपचार करता है।
- टमाटर के रस को माथे पर लगाने से भी टैनिंग कम होने लगती है. इस रस के एंटी–ऑक्सीडेंट्स फ्री रेडिकल्स से होने वाले डैमेज को भी दूर रखते हैं।

जहर से भी खतरनाक है चीनी

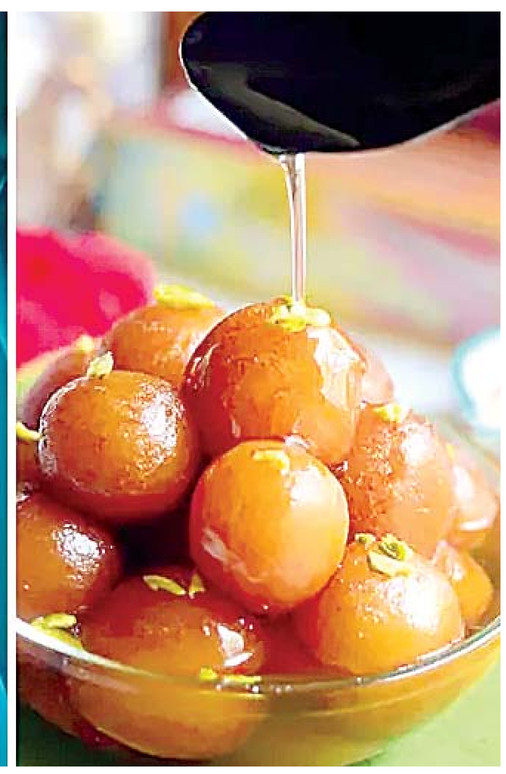

धीरे-धीरे सड़ा देगी आंतें, 5 लक्षणों से समझें आप खा रहे हैं ज्यादा मीठा

ज्यादा चीनी सेहत के लिए हानिकारक होती है और यह लंबे समय में कई बीमारियों का कारण बन सकती है। ज्यादा चीनी से शरीर में फालतू कैलोरी जमा होती है, जिससे मोटापा बढ़ता है, ज्यादा चीनी खाने से ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल बढ़ सकता है

पेट पर चर्बी जमा होना

ज्यादा चीनी पेट के आस–पास चर्बी के रूप में जमा हो जाती है। वजन कम करने के लिए प्रोटीन, हेल्दी फैट और फाइबर का सेवन बढ़ाएं।

ज्यादा मीठा खाने के नुकसान

ज्यादा चीनी सेहत के लिए हानिकारक होती है और यह लंबे समय में कई बीमारियों का कारण बन सकती है। ज्यादा चीनी से शरीर में फालतू कैलोरी जमा होती है, जिससे मोटापा बढ़ता है, ज्यादा चीनी खाने से ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल बढ़ सकता है, पिंपल्स और झुर्रियां जल्दी आ सकती हैं, चीनी से कैविटी और दांतों की सड़न की संभावना बढ़ जाती है। जब हम जरूरत से ज्यादा चीनी खाने लगते हैं, तो शरीर खुद संकेत देने लगता है। ज्यादा चीनी खाने से पाचन तंत्र में बैलेंस बिगड़ जाता है, अच्छे बैक्टीरिया कम हो जाते हैं, हानिकारक बैक्टीरिया बढ़ जाते हैं। इससे डायबिटीज का खतरा हो सकता है।

पेट फूलना और गैस बनना

ज़्यादा चीनी आंतों में मौजूद बुरे बैक्टीरिया को बढ़ाती है, जिससे पाचन खराब होता है। इसकी जगह साबुत अनाज और ताजे खाने को चुनें।

नींद का ठीक से न आना

रात में चीनी खाने से कोर्टिसोल और मेलाटोनिन जैसे हार्मोन गड़बड़ा सकते हैं, जिससे नींद खराब होती है। रात के खाने में प्रोटीन और फाइबर पर जोर दें।

मिज़ाज बदलना और चिड़चिड़ापन

ब्लड शुगर कम होने से मूड पर असर पड़ता है।

दिमाग को शांत रखने के लिए शुगर से दूरी बनाएं और समय पर खाना खाएं।

बार-बार मीठा खाने की इच्छा

चीनी खाने से शरीर को और मीठा खाने की क्रेविंग होती है, खासकर पीरियड्स से पहले। खाने की थाली को संतुलित रखें ताकि ये चक्र टूट सके।

ऊर्जा का उतार-चढ़ाव

कभी बहुत जोश में तो कभी बहुत थके हुए लगते हैं? ये ब्लड शुगर लेवल के असंतुलन का संकेत है। एनर्जी को स्थिर रखने के लिए कार्बोहाइड्रेट के साथ प्रोटीन और फाइबर खाना चाहिए।

जीभ का रंग देखकर जान सकते हैं कहीं आपको कोई बीमारी तो नहीं?

जीभ हमारे शरीर के सबसे महत्वपूर्ण हिस्सों में से एक है। दांतों की तरह, जीभ का काम खाने को चबाना नहीं बल्कि उसे चखने का होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जीभ सिर्फ स्वाद लेने के अलावा हमारी सेहत के कई बड़े राज भी खोल सकती है? अक्सर हम जीभ से जुड़ी छोटी–छोटी समस्याओं को नजरअंदाज कर देते हैं लेकिन ध्यान से देखा जाए तो जीभ हमें कई बीमारियों की चेतावनी दे सकती है। हमारी सेहत के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए हमें बस जीभ को देखना होता है, और इसके रंगों पर ध्यान देना होता है। आइए जानते हैं, जीभ के रंगों का स्वास्थ्य से क्या संबंध है।

जीभ के रंग से क्या पता चलता है?

आचार्य मनीष के अनुसार, आयुर्वेद में जीभ के रंग से कई बीमारियों का पता लगाया जाता है। यह एक पुरानी पद्धति है जिसे पारंपरिक इलाज में अपनाया जाता है। रोज़ाना घर में ही हम अपनी जीभ के माध्यम से कई बीमारियों के बारे में जान सकते हैं।

ग्रीसी कोटिंग

अगर जीभ के ऊपर ग्रे या हल्के काले रंग की परत जमी हुई दिखे तो यह शरीर की खराब सेहत का संकेत हो सकता है। यह आमतौर पर शरीर में टॉक्सिन्स के जमने और पानी की कमी के कारण होता है। साथ ही जीभ में हल्की सूजन भी हो सकती है। यह स्थिति शरीर के अंदर कुछ ठीक नहीं होने का संकेत देती है।

गुलाबी और पतली जीभ

अगर आपकी जीभ गुलाबी और साफ है, तो यह एक अच्छा संकेत है कि आप स्वस्थ हैं। गुलाबी रंग का मतलब है कि आपका शरीर अंदर से स्वस्थ है। अगर जीभ पतली और हल्की महसूस हो रही है, तो इसका मतलब है कि आपकी सेहत सही दिशा में है और आपके शरीर में पर्याप्त मॉइस्चर है, जो स्वस्थ रहने का एक और संकेत है।

गर्म और लाल जीभ

अगर शरीर में गर्मी का अहसास हो या पित्त बढ़ने का संकेत हो, तो यह जीभ के रंग से भी पहचाना जा सकता है। गर्मी के कारण जीभ पर लाल रंग दिखाई देता है, जो शरीर के अंदर अधिक तापमान का संकेत होता है। यह स्थिति आमतौर पर शरीर में पानी की कमी के कारण भी उत्पन्न होती है।

चमकीली जीभ

चमकीली जीभ स्वास्थ्य के लिए अच्छा संकेत नहीं है। यह शरीर में न्यूट्रिशन और खून की कमी का लक्षण हो सकता है। फीकी या चमकीली जीभ विटामिन बी–12 की कमी का संकेत हो सकती है। बुखार या इंफेक्शन के दौरान भी जीभ का रंग चमकीला हो सकता है। इसलिए यह स्थिति नजरअंदाज नहीं करनी चाहिए।

दरारदार या पपड़ीदार जीभ

कुछ लोगों की जीभ हल्के रंग की या पीली दिखाई देती है, और उसमें दरारें भी होती हैं। यह खराब पाचन का संकेत हो सकता है और यह शरीर में ऊर्जा की कमी का भी लक्षण है। इस प्रकार की जीभ में अक्सर सूजन और डाइजेशन से संबंधित समस्याएं दिखाई देती हैं।

ध्यान देने योग्य बातें

रोज़ाना सुबह अपनी जीभ की जांच करें। जीभ की स्थिति आपके शरीर की सेहत के बारे में कई बातें बताती है। जीभ की सफाई का ख्याल रखें और टंग क्लीनर का इस्तेमाल करें। यदि जीभ की स्थिति लगातार बदली हुई लगे या उसमें दर्द हो, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें और जांच करवाएं।

कुछ घरेलू उपाय

बॉडी डिटॉक्स : शरीर को डिटॉक्स करने के लिए त्रिफला का सेवन करें। यह आपके शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करता है।

सूजन कम करना : हल्दी का पानी पिए, जो शरीर में सूजन को कम करने में मदद करता है।

हाइड्रेशन : नारियल पानी पिएं, यह शरीर को हाइड्रेट करता है और आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। हमारी जीभ ना केवल स्वाद लेने का कार्य करती है, बल्कि यह हमारे शरीर की अंदरूनी स्थिति का भी एक संकेत देती है।

जीभ के रंग और रूप में बदलाव से हम अपनी सेहत के बारे में अहम जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि हम अपनी जीभ का ध्यान रखें और समय–समय पर इसे जांचते रहें, ताकि किसी भी स्वास्थ्य समस्या का समय पर इलाज किया जा सके।